सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

एशिया कप पर अय्यर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हकदार होने के बावजूद टीम से बाहर.... -पेजः 7

यूजर्स के निशाने पर आईं साई पल्लवी, 'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है... -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 152 | मंगलवार 09 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदमः पीएम मोदी का सांसदों को स्वदेशी-जीएसटी पर नया मंत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने राजग सांसदों को नवरात्रि से दिवाली तक "गर्व से कहो ये स्वदेशी है" थीम पर स्वदेशी मेले आयोजित कर भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजग सांसदों से भारत में बने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला आयोजित करने और जीएसटी दरों में कटौती पर व्यापारियों से मिलने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधारों पर एक बैठक में एनडीए सांसदों से कहा कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 20-30 व्यापारी सम्मेलन आयोजित करें ताकि व्यापारियों और दुकानदारों को जीएसटी के लाभों और सुधारों के बारे में शिक्षित किया जा सके। मोदी ने कहा कि नवरात्रि से दिवाली तक, भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'स्वदेशी मेलों' का आयोजन करें। प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्र में एक प्रदर्शनी आयोजित करनी चाहिए। थीमः "गर्व से कहो ये स्वदेशी है" - स्थानीय कारीगरों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक में एनडीए नेताओं से स्वदेशी और जीएसटी सुधारों पर जोर देने का आग्रह किया। उन्होंने सांसदों से नवरात्रि से दिवाली तक स्वदेशी मेले आयोजित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और मेक इन इंडिया एवं वोकल फॉर लोकल पहल को तेज करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए। मोदी ने कहा, हर घर और दुकान के बाहर हर घर स्वदेशी के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की शृंखला थमने वाली नहीं है। उन्होंने जीएसटी ढांचे में किए गए व्यापक सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी 2.0 राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि की दोहरी खुराक है और 21वीं सदी में भारत की प्रगति को ध्यान में रखकर अगली पीढ़ी के ये सुधार किए गए हैं। उनकी यह टिप्पणी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में व्यापक पुनर्गठन किए जाने के एक दिन बाद आई है। जीएसटी परिषद ने बुधवार को अप्रत्यक्ष कर के सिर्फ दो स्लैब ही रखने और रोजमर्रा के उत्पादों को पांच प्रतिशत कर दायरे में रखने का फैसला किया।

नेपाल में फैसी हिंसा से भारत भी अलर्ट, बॉर्डर पर बढ़ाई गई चौकसी, हो रही सख्ती से जांच

नई दिल्ली (एजेंसी): नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों ने भारत-नेपाल सीमा पर अलर्ट जारी कर दिया है। भारत के सीमा सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने सतर्कता बढ़ा दी है और भारतीय क्षेत्र में किसी भी तरह के अशांति के फैलाव को रोकने के लिए स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है। अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि नेपाल में विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा पर अलर्ट जारी कर दिया गया है। सशस्त्र सीमा बल इस घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहा है। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि मौजूदा अलर्ट निवारक प्रकृति का है और स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों के अनुसार, सीमा पर पर्याप्त तैनाती की गई है और कई सीमा चौकियों पर कड़ी जाँच की गई है। सुरक्षा बनाए रखते हुए लोगों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय भी बढ़ाया गया है। उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम सहित राज्यों में फैली 1,751 किलोमीटर से ज्यादा लंबी खुली भारत-नेपाल सीमा, दोनों देशों के नागरिकों की बेरोकटोक आवाजाही की अनुमति देती है। यह व्यवस्था जहाँ एक ओर घनिष्ठ सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देती है, वहीं नेपाल में राजनीतिक अशांति या विरोध प्रदर्शन होने पर

अपने 75वें जन्मदिन पर स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान शुरू करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष 17 सितंबर को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आधिकारिक शुभारंभ करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान भारत में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा तक बेहतर पहुँच प्रदान की जा सके और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाई जा सके, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ स्वास्थ्य सेवा अभी भी एक विशेषाधिकार है। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन पर शुरू किया जाने वाला यह कार्यक्रम, स्वस्थ भारत के निर्माण के सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है। जेपी नड्डा के ट्विटर पोस्ट के अनुसार, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के दौरान, सरकार पूरे भारत में लगभग 75,000 स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी। ये शिविर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में लगाए जाएँगे, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पहुँचेंगे। इन शिविरों में महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएँगी, जिनमें निवारक देखभाल, जाँच और उपचार शामिल हैं। चिकित्सा सेवाओं के अलावा, देश भर के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण माह भी मनाया जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारत में परिवारों के समग्र कल्याण में सुधार के लिए पोषण जागरूकता, स्वस्थ आहार और जीवनशैली संबंधी आदतों को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी। सरकार का मानना है कि जमीनी स्तर पर पोषण और जागरूकता स्वस्थ समुदायों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की सफलता लोगों की सामूहिक भागीदारी पर निर्भर करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अन्य सभी हितधारकों से इस स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान में आगे आकर सक्रिय योगदान देने की अपील की है। इस भागीदारी को जन भागीदारी अभियान कहा जा रहा है, क्योंकि यह कार्यक्रम भारत की ग्रामीण आबादी तक स्वास्थ्य सेवा की पहुँच बढ़ाने के लिए सरकारी और निजी संस्थानों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करता है

बिहार एसआईआर पर एससी का बड़ा आदेश, आधार को 12वां दस्तावेज माना जाएगा

बिहार(एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में माने। हालाँकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकता के प्रमाण के रूप में काम नहीं करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने मामले को अगले सोमवार के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि चुनाव आयोग जमा किए गए आधार कार्डों की प्रामाणिकता की जाँच कर सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे जाली नहीं हैं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने कहा कि आधार कार्ड स्वीकार किया जाएगा... संशोधित सूची में शामिल करने या बाहर करने की स्वीकृति के उद्देश्य से... आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज माना जाएगा। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि अधिकारी आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता को सत्यापित करने के हकदार होंगे और आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा... चुनाव आयोग दिन के दौरान निर्देश जारी करेगा। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार न करने पर अधिकारियों को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर भी चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने किसी को भी आधार दाखिल करने से नहीं रोका है। उन्होंने अदालत से कहा कि हम पता लगाएँगे कि कहीं कोई गलती तो नहीं कर रहा है। इससे पहले, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि मसौदा मतदाता सूची में दावे, आपत्तियाँ और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही इन पर विचार किया जाएगा। आयोग ने कहा था कि मसौदा मतदाता सूची में दावे और आपत्तियाँ प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक दायर की जा सकती हैं।

निर्वाचन आयोग वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया हैः खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक-ऑफिस बन गया है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या-सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये। उन्होंने कहा, फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी जांच का आदेश दिया। खरगे ने कहा, लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है! उन्होंने पूछा, निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? यह किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को? क्या निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जांच को पटरी से उतार रहा है। लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व को दोहराते हुए, खरगे ने कहा, हर व्यक्ति के मतदान के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए का पलड़ा कितना भारी? क्या कहते हैं आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी): लंबे इंतजार के बाद कल यानी मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सियासी हलचल तेज गई है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। हालांकि पिछली बार के मुकाबले इस बार जीत की चमक फीकी पड़ सकती है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में संसद के सभी सदस्य सीक्रेट बैलेट में वोट डालेंगे। लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद इस वोटिंग में हिस्सा लेंगे। वैसे तो सांसद अपनी मर्जी से किसी भी उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं, लेकिन ज्यादातर सदस्य पार्टी के आदेश का पालन करते हुए अपने गुट के उम्मीदवार को ही मत देते हैं। धनखड़ को मिले थे 75 फीसदी वोट उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में क्रॉस वोटिंग भी बेहद आम है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पिछले चुनाव में बीजेपी का साथ दे चुके हैं। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने शानदार बहुमत हासिल किया था। अपने गुट के अलावा उन्हें वाईएसआर कांग्रेस, बीजेडी का भी समर्थन मिला था। जगदीप धनखड़ को कुल 75 प्रतिशत वोट मिले थे। जीत के लिए कितने वोट चाहिए? वर्तमान समय की बात करें तो राज्यसभा में 239 और लोकसभा में 542 सांसद हैं। दोनों को मिलाकर सांसदों की संख्या 781 हो जाती है और उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को जीत के लिए आधे सांसदों यानी 391 वोटों की जरूरत होगी। इन आंकड़ों के अनुसार, एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत लगभग तय है। क्रॉस वोटिंग पर बना सस्पेंस पिछली बार की तरह इस बार भी जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने सीपी राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा की है। वाईएसआरसीपी के पास कुल 11 सांसद (7 लोकसभा और 4 राज्यसभा में) हैं। बीआरएस के पास 4 और बीजेडी के 7 सांसद हैं, लेकिन इन पार्टियों ने अभी तक अपना पक्ष साफ नहीं किया है। आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालिवाल के भी एएपी के साथ रिश्ते बेहतर नहीं हैं। ऐसे में स्वाति किसे वोट देंगी, इसपर भी सस्पेंस बना हुआ है। इसके अलावा लोकसभा में 7 निर्दलीय सांसद भी मौजूद हैं। धनखड़ के मिले थे ज्यादा वोट अगर यह सभी सांसद राधाकृष्णन को वोट देते हैं, तो उन्हें 458 वोट मिलने की उम्मीद है, जो जगदीप धनखड़ की जीत से काफी कम है। तीन साल पहले हुए चुनाव में पूर्व उपराष्ट्रपति ने 528 मतों से जीत हासिल की थी।

भारत को अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें : राष्ट्रपति

भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चुनौतियों के बावजूद यह उपलब्धि उल्लेखनीय है। राष्ट्रपति ने इस उपलब्धि में योगदान के लिए ईईपीसी की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) इंडिया के सभी हितधारक देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके भारत को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें। ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जुबली समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित राष्ट्रपति मुर्मु ने यहां आयोजित ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीनकाल में भारत अध्यात्म और व्यापार दोनों क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व करता था। भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते ईईपीसी से आग्रह किया कि वह इस संकल्प को पूरी दृढ़ता से आगे बढ़ाए। ईईपीसी अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच करता है सेतु का कार्य उन्होंने खुशी जताई कि पिछले 10 वर्षों में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक के दौरान अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चुनौतियों के बावजूद यह उपलब्धि उल्लेखनीय है। राष्ट्रपति ने इस उपलब्धि में योगदान के लिए ईईपीसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ईईपीसी अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच सेतु का कार्य करता है। विश्व व्यापार व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक ढांचे में हो रहे बदलावों के बीच इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सात दशकों में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्य काफी बदले राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को भारत को अवसर में बदलना होगा। सात दशकों में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्य काफी बदले हैं और ईईपीसी को इस परिवर्तनशील प्रक्रिया को और आगे बढ़ाना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियरिंग उत्पाद और सेवाएं कम लागत पर उपलब्ध कराना भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज दुनिया की प्रमुख कंपनियों के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स भारत में हैं। ऐसे में हितधारकों को उपयुक्त प्रोत्साहन और पारिस्थितिकी तंत्र देकर भारत को ग्लोबल इनोवेशन सेंटर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि इनोवेशन इकोनॉमी ही सबसे प्रतिस्पर्धी और समृद्ध अर्थव्यवस्थाएं होती हैं और इसी राह पर भारत को अग्रसर करना सभी हितधारकों का कर्तव्य है।

संपादकीय

ट्रंप की अकड़ ढीली

जैसी कि उम्मीद थी ठीक वैसा ही हुआ। अभी तक भारत से खुंदक निकाल रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आखिर, पलटी मार गए। भारत को धो-धो कर कोस रहे ट्रंप समझ चुके हैं कि उनकी तिरछी चाल से भारत का तो जो होगा सो होगा बेइज्जती तो अमेरिका और उनकी खुद की होने वाली है। शुल्क और रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका और भारत के मध्य भारी तनाव पैदा करने के बाद ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच विशेष संबंध हैं। इस पलटी को खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे के सिवा और क्या कहा जा सकता है। दोनों देशों के बीच संबंध पिछले दो दशकों में सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। अपने मित्र मोदी से मित्रता को याद करते हुए ट्रंप कहे बिना नहीं रह सके कि 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा..वह शानदार प्रधानमंत्री हैं।' ट्रंप की इस चालबाजी को भांपते हुए भारत को गद्गद् होने की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने पिछले कुछ समय में भारत के साथ जो अपमानकारी हरकतें की हैं, उन्हें भारत को नहीं भूलना चाहिए। अपनी आदत से बाज न आते हुए अब भी उन्होंने यह तो कह ही दिया कि उन्हें इस समय मोदी द्वारा किए जा रहे काम पसंद नहीं आ रहे। वह इस बात से निराश हैं कि भारत रूस से बहुत ज्यादा तेल खरीद रहा है। इससे पहले ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर अपनी पोस्ट में कहा था, 'लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। ईर करे कि उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो।' ट्रंप चीन से भारत के सुधरते रिश्तों में खटास लाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ठहाके लगाते चित्रों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। इससे ट्रंप की बेचैनी बढ़ी हुई है। वह किसी भी तरह इन तीनों नेताओं में दूरी पैदा करना चाहते हैं। भारत को चाहिए कि वह बदलती वैश्विक जरूरतों में अपना फायदा देखते हुए किसी चालबाजी में न फंसे। अपनी शतरे पर व्यापार करना एक सार्वभौमिक राष्ट्र का अपना मसला है, हम किससे तेल खरीदें या न खरीदें और कितना खरीदें अमेरिका को बीच में पड़ने की जरूरत नहीं है। मोदी ने ट्रंप की चाल को भांपते हुए जो सधी हुई प्रतिक्रिया दी है, उसकी प्रशंसा की जा सकती है क्योंकि परिदृश्य में आया बदलाव ट्रंप और अमेरिका पर पड़े दबाव को दिखाता है। भारत को किसी की लल्लोचप्पो में आने की जरूरत नहीं है। ये ट्रंप के सीधी लाइन पर आने के संकेत हैं।

चिंतन-मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है।

पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो। रुपयें की कोई अपनी मनोदश नहीं है। रुपया पूरा समर्पित है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पंजाब जल प्रलय : दुनिया के मददगारों को आज मदद की दरकार

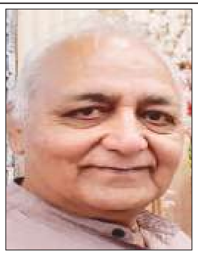

तनवीर जाफ़री

भारत का अन्न भंडार कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्त्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45% अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22% और चावल उत्पादन में लगभग 12% का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणर्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ़्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है। आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुक़्सान हुआ है। अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रह है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही ह्रदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी। गोया इस जल प्रलय के चलते आने वाले वर्षों में देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है।

बहरहाल आज पीड़ा की इस घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ पूरा देश खड़ा दिखाई दे रहा है। अक्षय कुमार,दिलजीत दोसांझ,रणदीप हुड्डा,सोनू सूद,प्रीटी जिंटा,करीना कपूर,विक्की कौशल,एमी विर्क,राज कुंद्रा,गुरु रंधावा,गिप्पी ग्रेवाल,करण औजला,सुनंदा शर्मा,शाहरुख खान , आलिया भट्ट, करण जौहर,हरभजन सिंह,मनकीरत औलख,बब्बू मान, रणजीत बावा,सोनम बाजवा ,संजय दत्त,अजय देवगन, कपिल शर्मा, बादशाह, सिद्धार्थ मल्होत्रा व अनन्या पांडे जैसे अनेक फिल्म व कला जगत से जुड़े लोगों ने बढ़चढ़कर या तो भारी भरकम रकम दान की है या पीड़ितों के लिये राहत शिविर स्थापित किये हैं,एम्बुलेंस दान की हैं अथवा उनके साथ अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी तरह मदरसा जीनत उलूम,नारायणगढ़ मदरसा जमीयतुल उलूम, मेवात के मुस्लिम समुदाय के लोग व दर्जनों मस्जिदों से राहत भरे ट्रक पंजाब की ओर भेजे जा रहे हैं। ईरान ने भी भारत के पंजाब में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुए व्यापक नुक़्सान और दर्द को देखकर मन दुखी है। दूतावास ने प्रभावित लोगों और राहत कार्यों में लगे सभी के लिए प्रार्थनाएं कीं तथा भगवान से सभी की रक्षा और आशीर्वाद की कामना की। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की ओर से भी पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की हिफाजत और सलामती के लिए दुआएं भेजी गई हैं। ईरान के इस बयान की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की गयी है।

आज पूरे देश के हर वर्ग व हर धर्म का व्यक्ति पंजाब के इन किसानों के साथ इसीलिये खड़ा है क्योंकि गुरुनानक देव जी महाराज द्वारा किये गये सच्चा सौदा के संस्कारों में परवरिश पाने वाला पंजाब का यह किसान भी बुरे वक़्त में पूरी दुनिया के साथ दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों में भी हमेशा खड़ा दिखाई दिया है। जहां कहीं धर्म देश या जाति देखकर लोगों की सहायता करने वाले संकीर्ण सोच के लोग मुसीबत में खड़े नहीं होते वहीं पंजाब का यह समुदाय केवल मानवता को मद्देनजर रखकर हमेशा हर जगह हर एक पीड़ित के साथ खड़ा दिखाई दिया है। संकट की इस घड़ी में देश के कारपोरेट घरानों व उद्योगपतियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश के उन बड़े बड़े मठों व धर्मस्थलों को भी मदद के हाथ पंजाब के जल प्रलय प्रभावित लोगों की ओर बढ़ाना चाहिये जिनके भण्डार अकूत सोने चांदी व धन सम्पदा से भरे पड़े हैं। देश के धनाढ्य कथावाचकों व धर्माधिकारियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश की बड़ी दरगाहों व जमाअतों को भी संकट में पंजाब के साथ खड़े होना चाहिये। बेशक प्रकृतिक प्रकोप के चलते दुनिया के इन मददगारों को भी आज वक़्ती तौर पर मदद की दरकार जरूर है परन्तु विश्वास है कि मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश करने व संकट में सबके साथ खड़ी नजर आने वाली यह कौम जल्द ही इस संकट से भी उबार जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्राकृतिक आपदा : बरपता कहर, बढ़ती दुश्वारियां

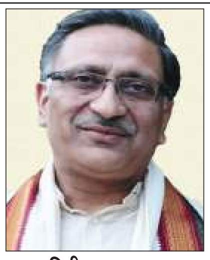

विनीत नारायण

भारत, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध भौगोलिक संरचना के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। लेकिन हर साल मानसून के आगमन के साथ यह देश प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आ जाता है। भारत में मानसून का मौसम जून से सितम्बर तक रहता है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं अब आम हैं। हाल के महीनों में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। हिमाचल प्रदेश में भी अगस्त, 2025 में भारी बारिश के कारण दर्जनों सड़कें बंद हो गई और कई लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि सरकारी तंत्र इन आपदाओं के प्रभाव को कम करने में क्यों विफल है? बादल फटने की घटनाएं, जिन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग 100 मिमी. प्रति घंटे से अधिक बारिश के रूप में परिभाषित करता है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में आम हैं। ये घटनाएं न केवल प्राकृतिक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों जैसे अनियोजित निर्माण, जंगलों की कटाई और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के कारण और भी घातक हो गई हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में अपने बयान में कहा कि पहाड़ी राज्यों में होने वाले निर्माण और नुकसान के लिए 'घर में बैठकर तैयार की गई फर्जी डीपीआर बनाने वाले दोषी हैं। ये लोग बिना जमीनी हकीकत जाने डीपीआर बना देते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।' यह बयान न केवल सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी कितनी घातक हो सकती है। डीपीआर, जो किसी भी योजना का आधार होती है, में भ्रष्टाचार और लापरवाही बरती जाती है, तो इसका परिणाम ऐसे हादसों और त्रासदियों के रूप में सामने आता है। इसे 'करप्शन ऑफ डिजाइन' कहा जाता है।

हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार को पहले से तैयारी की जरूरत है। फिर भी, हर साल न सिर्फ एक जैसी आपदाएं दोहराई जाती हैं, बल्कि राहत और बचाव कार्य में अव्यवस्था भी दिखाई देती है। दूसरा, जल निकासी प्रणालियों की कमी और रखरखाव की अनदेखी भी बड़ा मुद्दा है। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरी क्षेत्रों, जहां 2024 में 108 मिमी. बारिश ने भारी जलभराव पैदा किया, में नालों की सफाई और उचित जल निकासी की कमी साफ दिखाई दी। पहाड़ी क्षेत्रों में नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण ने प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित किया है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

तीसरा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और जागरूकता की कमी भी बड़ी समस्या है। ऐसे में स्थानीय ज्ञान का उपयोग करके सड़क निर्माण हो तो शायद भूस्खलन में रोकथाम हो सके। लेकिन स्थानीय लोगों की सलाह को नजरअंदाज किया जाता है और परियोजनाएं केवल ठेकेदारों और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रख कर बनाई जाती हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब सरकार और समाज मिल कर एक समग्र और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं। सबसे पहले, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा।

भूगर्भीय सर्वेक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और स्थानीय विशेषज्ञों की राय को शामिल करना अनिवार्य होना चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए स्वतंत्र ऑडिट और निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने चाहिए। दूसरा, आपदा प्रबंधन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना होगा। इसमें न केवल राहत और बचाव की तैयारी शामिल होनी चाहिए, बल्कि प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, जैसे बादल फटने की निगरानी, को भी मजबूत करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भूस्खलन और जलभराव की संभावना वाले स्थानों की पहचान के लिए किया जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास को भी प्राथमिकता देनी होगी। जंगलों की कटाई को रोकना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना और अंधाधुंध निर्माण पर रोक लगाना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण को सख्ती से विनियमित करना होगा।

बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की त्रासदियां केवल प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का भी परिणाम हैं। अब समय है कि सरकार, समाज और विशेषज्ञ मिल कर ऐसी व्यवस्था बनाएं जो न केवल आपदाओं को रोके, बल्कि उनके प्रभाव को कम करने में भी सक्षम हो। टिकाऊ विकास, पारदर्शी प्रशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस दिशा में बढ़ने का रास्ता है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

'जनता बीमार, प्रशासन लाचार : डेंगू का वार'

डेंगू का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर बैठ जाता है। हर साल मानसून के बाद बरसात के दिनों में जब मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है, तो डेंगू के मामले तेजी से सामने आने लगते हैं। बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और प्लेटलेट्स की कमी से पीड़ित मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ने लगती है। सरकारें हर वर्ष दावा करती हैं कि मच्छरों की रोकथाम और फॉगिंग के इंतजाम पूरे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट होती है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट ने हरियाणा के स्वास्थ्य तंत्र और स्थानीय निकायों की तैयारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। प्रदेश के 87 नगर निकायों में डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए मात्र 426 फॉगिंग मशीनें ही उपलब्ध हैं। यानी लगभग हर निकाय के हिस्से में औसतन पाँच मशीनें भी नहीं आतीं। जबकि स्थिति यह है कि एक मध्यम आकार के शहर में ही डेंगू पर काबू पाने के लिए 20-25 मशीनें आवश्यक मानी जाती हैं। ऐसे में पूरे प्रदेश के स्तर पर मशीनों की यह कमी सीधा संदेश देती है कि प्रशासनिक लापरवाही किस हद तक हावी है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जिसका सीधा इलाज एंटीबायोटिक दवाइयों से संभव नहीं है। यह मच्छरों से फैलने वाला वायरल संक्रमण है और रोगी के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर ही उपचार टिका होता है। अधिकतर मामलों में डेंगू का वायरस शरीर की प्लेटलेट्स तेजी से घटा देता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा हो सकती है। भारत में हर साल लाखों लोग डेंगू से प्रभावित होते हैं और हजारों मौतें भी होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी डेंगू को दुनिया के सबसे तेजी से फैलने वाले वायरल रोगों में गिनता है। इसलिए रोकथाम ही सबसे बड़ा हथियार है। मच्छरों को पनपने से रोकना, जलभराव हटाना और समय-समय पर फॉगिंग करना – यही डेंगू पर नियंत्रण के सबसे कारगर उपाय हैं। लेकिन जब यही इंतजाम कमजोर पड़ जाएं, तो बीमारी का फैलाव तेजी से होता है।

हरियाणा के नगर निकायों के पास फॉगिंग मशीनों की संख्या न सिर्फ कम है बल्कि जिन मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, उनमें से कई पुराने और खराब हालत में हैं। यह स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति राज्य सरकार और निकायों की उदासीनता को उजागर करती है। फॉगिंग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह मच्छरों के जीवन चक्र को तोड़ती है। मच्छर के अंडे से निकलने और उनके वयस्क होने की प्रक्रिया पर फॉगिंग सीधा असर डालती है। यदि यह नियमित अंतराल पर हो तो मच्छरों की संख्या तेजी से कम हो सकती है। लेकिन जब मशीनें ही उपलब्ध न हों, तो फॉगिंग का अभियान केवल कागजों में रह जाता है।

यह समस्या सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है। प्रदेश के 1200 से अधिक गाँव जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। गाँवों में नालियों की सफाई और कचरे के निस्तारण की व्यवस्था कमजोर है। पंचायतों के पास न तो पर्याप्त बजट है और न ही तकनीकी संसाधन। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू और मलेरिया का प्रकोप और भी खतरनाक हो सकता है। सरकारी नीतियों में बार-बार शहरी क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएँ और रोकथाम अभियान बिल्कुल नाममात्र के रह जाते हैं।

इस स्थिति की सबसे बड़ी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों पर आती है। हर साल डेंगू का मौसम आता है और हर बार प्रशासन अचानक हाथ-पैर मारता है। जबकि यह समस्या नई नहीं है। फॉगिंग मशीनें सालभर सक्रिय रहनी चाहिए और नियमित अंतराल पर उनका रखरखाव होना चाहिए। लेकिन निकायों के पास अक्सर यह तर्क होता है कि बजट की कमी है। सवाल यह उठता है कि जब स्वास्थ्य सेवाओं पर ही खर्च नहीं होगा तो विकास का दावा किस आधार पर किया जाएगा?

मशीनों की कमी और लापरवाही का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। हर साल हजारों परिवार डेंगू से प्रभावित होते हैं। एक बार किसी घर का सदस्य डेंगू से बीमार हो जाए तो उस परिवार पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। अस्पतालों में भर्ती का खर्च, दवाइयों और प्लेटलेट्स की कमी का संकट, लंबे समय तक काम और पढ़ाई से दूरी, बीमारी का डर और असुरक्षा–ये सभी पहलू जनता को झकझोरते हैं। खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके पास महंगे इलाज का साधन नहीं होता।

सरकार और प्रशासन को चाहिए कि इस स्थिति से सबक लें। सबसे पहले फॉगिंग मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए और हर निकाय को पर्याप्त मशीनें दी जाएं। केवल आपातकालीन हालात में नहीं बल्कि पूरे वर्ष तय अंतराल पर फॉगिंग होनी चाहिए। पंचायतों को बजट और मशीनें उपलब्ध कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरनाशी अभियान चलाना आवश्यक है। जनता को भी जागरूक किया जाए कि घरों में पानी जमा न होने दें, कूलर व टंकियों को ढककर रखें। अस्पतालों में डेंगू टेस्ट, दवाइयों और प्लेटलेट्स की पर्याप्त व्यवस्था समय रहते की जाए।

डेंगू हर साल एक बार नहीं बल्कि अब स्थायी खतरे के रूप में सामने आ चुका है। बदलते मौसम, बढ़ते शहरीकरण और जलभराव की समस्याओं ने इसकी जड़ें और गहरी कर दी हैं। ऐसे में केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा। फॉगिंग मशीनों की कमी और प्रशासनिक उदासीनता न केवल लापरवाही है बल्कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ भी है। सरकार को चाहिए कि इस समस्या को आपदा प्रबंधन की तरह प्राथमिकता दे और हर निकाय को संसाधन उपलब्ध कराए। जनता भी अपनी जिम्मेदारी समझे और घर-आसपास पानी जमा न होने दे। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही डेंगू पर काबू पाया जा सकता है। आज जरूरत है एक ठोस कार्ययोजना की, वरना डेंगू हर साल नए रूप में दस्तक देता रहेगा और स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों को उजागर करता रहेगा।

18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने के लिए जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत दिनांक 02.09.2025 से 12.09.2025 तक 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निर्देशानुसार सोमवार को उषा देवी इ0का0 मुबारकपुर कलां, जोया अमरोहा, में छीं' अद्६ील्ली२२ मे विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकारण कि अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए कई कानून हैं, जिनमें प्रमुख हैं घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, जो घरेलू हिंसा

के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है; कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (POSH Act अधिनियम), जो कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाता है; और दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961, जो दहेज की प्रथा को रोकता है. इसके अलावा, महिलाओं को कई अन्य अधिकारों में शिक्षा का अधिकार, समान वेतन का अधिकार, संपत्ति का अधिकार और प्रजनन का अधिकार शामिल हैं. के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। वह सुविधा दे। इस अवसर पर,इस अवसर पर, प्राधानार्चा करूणा निधि, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, ओ0एस0सी0, तरन्नुम, केस वर्कर, नरेन्द्र पाल, एवं ग्राम प्रधान, आदि उपस्थित रहे

भाकियू शंकर का बड़ा हल्ला-बोल प्रदर्शन , बाढ़ मुआवजा से लेकर गन्ना मूल्य 518 तक 13 सूत्रीय मांगें डीएम को सौंपी

गजरौला (सब का सपना):- सोमवार को जनपद भर के किसानों ने अपनी समस्याओं का अंबार लगाते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दे डाली कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन के किसान सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। किसानों की 13 सूत्रीय मांगों में गंगा बाढ़ से बर्बाद फसलों का मुआवजा, गन्ना मूल्य 518 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करना, गैर-भुगतान वाली चीनी मिलों पर कार्रवाई, मुरादाबाद मंडल के किसानों के लिए मध्य गंगा नहर में पानी छोड़ना, अवैध डग्गामारी रोककर हर घंटे ग्रामीण बस सेवा शुरू करना, चकबंदी में भ्रष्टाचार खत्म करना और कंटेनर डिपो से प्रभावित किसानों को 20 लाख प्रति बीघा मुआवजा शामिल हैं।इसके अलावा किसानों ने बिजली निजीकरण रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में नए स्मार्ट मीटर लगाने, हर जनपद में फसल खरीद योजना बनाने, मंडल आयुक्त से हर तीसरे महीने बैठक की व्यवस्था और छुट्टा गोवंश व खूंखार जानवरों से किसानों की फसलें व जनता को बचाने जैसी मांगें रखीं। किसानों ने साफ कहा कि यह मांगें किसानों के अस्तित्व से जुड़ी हैं और इन्हें टाला गया तो आंदोलन का बिगुल फूंका जाएगा।

मुख्यमंत्री ने चयनित 1112 कनिष्ठ सहायकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन लखनऊ में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत 1112 चयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में देखा गया। इसी कम में जनपद से चयनित कुल 12 कनिष्ठ सहायकों को विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खड्गवंशी एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह खड्गवंशी द्वारा नव चयनित कनिष्ठ सहायकों को शुभ कामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में बिना किसी भेदभाव के सीधे पात्रों एवं योग्य व्यक्तियों को ही लाभ मिल रहा है। उन्होंने सभी कनिष्ठ सहायकों से कहा कि जिस जनपद में भी जाएं वहां सेवाभाव से कार्य करते हुए अमरोहा का नाम रोशन करें। सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से योग्य अभ्यार्थियों का ही चयन किया गया है इसलिए अपनी योग्यता को बनाएं रखें एवं शासन की मंशा के अनुरूप जन सेवा करें। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी नव चयनित कनिष्ठ सहायकों को प्रोत्साहन करने के साथ ही भविष्य की शुभ कामनायें दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश का विकास तभी होगा जब सभी स्वस्थ हो। स्वास्थ्य विभाग एक बेहद महत्वपूर्ण विभाग है, जिसके बिना मुख्यमंत्री के विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प पूरा नहीं होगा। उन्होंने सभी चयनित कनिष्ठ सहायकों से कहा कि आप जब भी कार्य करें, मन में विकसित प्रदेश के संकल्प को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद धनौरा प्रवीण अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र खड़गवंशी, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर और ब्लॉक प्रमुख गजरौला मीनाक्षी चौधरी ने भी नव नियुक्त कनिष्ठ सहायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अपना कार्य ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ सेवाभाव से करने की बात कही। कार्यक्रम में सौरभ, प्रदीप कुमार, रईस, सोविंद, कु0 कंचन त्यागी, राजू सिंह, वैशाली चौधरी, दीपक कुमार, अरुण कुमार अनिल कुमार, ज्ञानेंद्र कुमार और प्रशांत कुमार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। नव नियुक्त अभ्यर्थियों से संवाद के दौरान सभी अभ्यर्थियों ने चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सम्पन्न कराने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद प्रकट किया। उन्होने कहा कि आज हमारे लिए खुशी का दिन है कि हमें माननीय विधायक एवं जिलाधिकारी के हाथों नियुक्ति पत्र मिल रहे है। इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद धनौरा प्रवीण अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र खड़गवंशी, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर श ममता गुर्जर, ब्लॉक प्रमुख गजरौला मीनाक्षी चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, सीएमएस डॉ0 एके भंडारी एवं चयनित कनिष्ठ सहायक एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

सभी थानों में नियुक्त पुलिसकर्मियों को साइबर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत कराया गया प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों के पुलिस कर्मियों को रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र, कम्प्यूटर लैब, डिडौली में CyTrain (Cyber Training Program) के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई एवं पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में पुलिस कर्मियों की दक्षता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की पहचान व त्वरित रोकथाम,सोशल मीडिया अपराधों की जांच व डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण, साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले नवीन तरीकों एवं उनसे बचाव, पीड़ितों की शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई हेतु तकनीकी उपकरणों का प्रयोग आदि विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी । प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने केस स्टडी, प्रैक्टिकल डेमो व विभिन्न साइबर क्राइम टूल्स की कार्यप्रणाली समझाई ।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पुलिस बल की क्षमता और आमजन का विश्वास दोनों ही सुदृढ़ होंगे।

वाणिज्य कर विभाग का मुख्य उद्देश्य, कर संग्रहण, करदाताओं को सुविधा प्रदान करना: राजेश कुमार मौर्य

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र है, इस जिले में वाणिज्य कर विभाग में सेक्टर 2 के अंतर्गत कार्यरत राजेश कुमार मौर्य अपने बेहतर कार्यों और समर्पण के लिए चर्चा में हैं। उनकी कार्यशैली और विभाग के प्रति उनकी जिम्मेदारी ने न केवल विभागीय कार्यों को सुचारू बनाया है, बल्कि करदाताओं और व्यापारियों के बीच भी विश्वास का माहौल बनाया है। राजेश कुमार मौर्य, जो वाणिज्य कर विभाग में सेक्टर 2, अमरोहा में कार्यरत हैं, ने अपनी मेहनत और पारदर्शी कार्यप्रणाली से विभाग में एक नया आयाम जोड़ा है। वाणिज्य कर विभाग का मुख्य उद्देश्य कर संग्रहण, करदाताओं को सुविधा प्रदान करना और व्यापारिक गतिविधियों को नियंत्रित करना है। इस दिशा में राजेश कुमार मौर्य ने कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं, जिन्होंने न केवल कर संग्रह को बढ़ाया है, बल्कि व्यापारियों के लिए प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी भी बनाया है। उनके कार्यक्षेत्र में सेक्टर 2, जो अमरोहा जिले का एक महत्वपूर्ण

व्यापारिक क्षेत्र है, में कई छोटे-बड़े व्यापारी और उद्यमी सक्रिय हैं। राजेश कुमार मौर्य ने व्यापारियों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना और उनका त्वरित समाधान किया। जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने के बाद कई व्यापारियों को नई कर प्रणाली को समझने में कठिनाई हो रही थी। ऐसे में, राजेश कुमार ने जागरूकता शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन करवाया, जिससे व्यापारियों को जीएसटी के नियमों और अनुपालन की प्रक्रिया को समझने में मदद मिली। उनके नेतृत्व में सेक्टर 2 में कर चोरी के मामलों में कमी आई है। जिससे न केवल विभागीय कार्यकुशलता बढ़ी, बल्कि करदाताओं का विश्वास भी जीता गया। राजेश कुमार मौर्य ने यह सुनिश्चित किया कि करदाताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े और उनकी शिकायतों का तुरंत निपटारा हो। उनकी इस पहल ने व्यापारियों के बीच विभाग की छवि को सकारात्मक बनाया है। इसके अतिरिक्त, राजेश कुमार ने अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर एक ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित की है, जिसमें पारदर्शिता, जवाबदेही और सहयोग को प्राथमिकता दी जाती है। उनके मार्गदर्शन में विभागीय कर्मचारी भी अधिक उत्साह और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। उनके इस दृष्टिकोण ने न केवल वाणिज्य कर विभाग के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद की, बल्कि जिले में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी योगदान दिया। राजेश कुमार मौर्य का योगदान केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं है। उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारी को भी निभाया है। विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेकर उन्होंने व्यापारियों और स्थानीय लोगों के बीच एक सेतु का काम किया है। उनकी यह पहल न केवल विभाग की छवि को बेहतर बनाती है, बल्कि समाज में विश्वास और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देती है। अमरोहा जिले में राजेश कुमार मौर्य का कार्य न केवल वाणिज्य कर विभाग के लिए, बल्कि पूरे जिले के लिए एक प्रेरणा है। उनकी मेहनत, समर्पण और नवाचार ने यह साबित किया है कि सही दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली से सरकारी विभागों में भी सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उनके इस योगदान को न केवल विभागीय स्तर पर, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और जनता ने भी सराहा है। उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में वाणिज्य कर विभाग और अधिक ऊंचाइयों को छूएगा और अमरोहा जिला व्यापारिक और आर्थिक विकास की दिशा में और आगे बढ़ेगा।

तहसील हसनपुर में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- जनसमस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की प्राथमिकता के साथ तहसील हसनपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 39 जन शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनमें 11 शिकायतें राजस्व विभाग, 08 पुलिस विभाग, 07 विद्युत विभाग, 04 विकास विभाग, 06 चकबंदी विभाग, 01 पूर्ति विभाग और 02 अन्य विभाग से संबंधित थीं। इनमें से 03 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। निधि गुप्ता वत्स ने पूर्व तहसील दिवस में प्राप्त

शिकायतों के निस्तारण और फीडबैक की समीक्षा की और राजस्व एवं विद्युत विभाग को शिकायतों का निस्तारण और बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिया जिससे बेहतर फीडबैक प्राप्त हो। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में शिकायतें अधिक हैं या शिकायतों की पुनरावृत्ति हो रही है, वहां स्वयं मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। संबंधित विभाग शिकायतों को एक-दूसरे पर न टालें, आवश्यक होने पर संयुक्त रूप से उनका उचित निस्तारण करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ त्वरित निस्तारण करें। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं। संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप जिलाधिकारी पुष्करनाथ चौधरी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त सहित जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इनर व्हील कल्ब ने नारायणी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल को बनाया हैप्पी स्कूल

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में इनर व्हील कल्ब आफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाते हुए 8 सितम्बर को नारायणी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल, अमरोहा को हैप्पी स्कूल बनाते

हुए IILM,DISHA के सारे मानकों को पूरा किया गया। यूथ डेवलेपमेंट के अन्तर्गत स्कूल के बच्चों के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराया गया। बालक और बालिकाओं हेतु अलग अलग शौचालय, साफ पानी हेतु पानी की मशीन,10 बैटरी वाला इनवर्टर, तीन दीवार घड़ियां, 2बेंच डेस्क, तथा पुस्तकालय कक्ष में 2 बुक रैक, जिसमे बच्चों के मानसिक स्तर के अनुरूप पुस्तके (लगभग 200), खेलकूद कक्ष के लिए खेल सामग्री, नो प्लास्टिक अभियान को प्रमोट करते हुए पेंसिल बॉक्स, कॉपी और स्टेशनरी को कपडे के बैग मे, दिया गया। बच्चों के बैठने के लिए दरिया, स्कूल स्टॉफ हेतु क्रॉकरी भी दी गई। इसके अलावा विद्यालय परिसर और मैदान को खुशहाल धरा में परिवर्तित करते हुए छायादार वृक्ष और पौधा रोपण किया गया। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हुए स्कूल की दीवारों पर प्रेरणा दायक स्लोगन्स भी लिखवाए गए। सभी अध्यापको को सम्मानित करते हुए इनर व्हील ब्रांडिंग करते हुए छतरियां और प्रशस्ति पत्र बाटे गए पुस्तकालय में पठनीय फ्लेक्सिस लगवाई गई। आत्म जागरूकता के लिए बालिकाओं को गुड टच और बेड टच की जानकारी रीना और सुप्रिया द्वारा दी गई। क्लब सचिव डॉ सीमा द्वारा गुड हाइजीन पर चर्चा करतें हुए बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन बाटे गए। क्लब अध्यक्षा शर्मिला गुप्ता द्वारा साक्षरता का महत्व बताते हुए क्लब द्वारा किया जा रहा सहयोग की जानकारी दी गई तथा साक्षरता के साथ स्वच्छता और आत्म जागरूकता के बारे मे बताया गया। इस अवसर पर पीडीसी अचला टंडन, गीता गर्ग, अंजुला अग्रवाल, इंदु अग्रवाल, कुमकुम माथुर, शैफाली, डॉ अंशू गर्ग, आदि सदस्य मौजूद रही।

उत्मत्स्यजीवी सहकारी संघ के सभापति ने मछली पालकों व संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश मत्स्यजीवी सहकारी संघ लिमिटेड के सभापति वीरू साहनी की अध्यक्षता में सरदार पटेल सभागार, विकास भवन में जनपद के मछली पालकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम सहायक निदेशक मत्स्य एवं समितियां के पदाधिकारी द्वारा सभापति को बुके एवं पुष्प काली देकर स्वागत किया गया। बैठक में सभापति ने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा मत्स्य विभाग की जो योजनाएं संचालित है उनका लाभ पात्र व्यक्ति एवं मछुआ समाज को अवश्य मिले। सभापति द्वारा जनपद में सामूहिक मछुआ दुर्घटना बीमा योजना की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि लोगों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए

जागरूक करें। सभापति ने जनपद में कितनी मत्स्य जीवी सहकारी समिति गठित हैं उसके विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि समितियों की संख्या को बढाया जाए। ग्राम सभा के तालाबों के पट्टे की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पट्टों का चयन नियमानुसार हो नियम विरुद्ध कोई भी पट्टा न हो यह सुनिश्चित किया जाए। सभापति ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि 2 हेक्टेयर से अधिक एवं उससे कम के तालाबों की सूची उपलब्ध करायी जाए। सभापति ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम सभा के तालाबों पर ध्यान दिया जाए तथा मत्स्य पट्टा वितरण मे मछुआ समाज को प्राथमिकता पर रखा जाए। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना तथा सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना हेतु चयनित लाभार्थी, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, मोपेड विद आईस बॉक्स परियोजना पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को निर्देश दिए। मत्स्य पालकों के लिए केसीसी को लेकर चर्चा की गयी। बैंकों द्वारा मत्स्य पालकों के लिए केसीसी कम किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा एलडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि मत्स्य पालकों के लिए बैंक केसीसी करें। सभापति ने सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह से जानकारी प्राप्त की की जनपद में कितने तालाब है कितने तालाब में मछली पालन किया जा रहा है और उन्होंने कहा कि जनपद के जो तालाब है उन्हें मत्स्य पालन के लिए नीलाम किया जाए ताकि मछुआ समाज को रोजगार के अवसर प्राप्त हो और उसके साथ ही राजस्व की प्राप्ति होगी। उन्होंने सहायक निदेशक मत्स्य को निर्देश दिए की सरकार की योजनाओं के प्रसार प्रसार के लिए कैंप लगाए और पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य कराएं और फील्ड में अवश्य जाएं। उन्होंने सहायक निदेशक मत्स्य को निर्देश दिए कि जनपद को कम लक्ष्य प्राप्त हो रहा है इसलिए अधिक लक्ष्य के लिए शासन को पत्र अवश्य लिखें। मछली पालको द्वारा मछली मंडी नबहोने की समस्या को रखा गया जिस पर माननीय सभापति महोदय ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही उक्त समस्या का निस्तारण किया जाएगा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता, लीड बैंक मैनेजर उमाशंकर प्रजापति, एआर कोऑपरेटिव, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी और मछली पलक उपस्थित रहे।

डीएम ने समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत@2047 विजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के तहत अमरोहा में बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। 11 और 12 सितंबर को जिले में दो दिवसीय कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम होंगे। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए।अभियान की सफलता हेतु मुख्य विकास अधिकारी को जनपद स्तरीय नोडल सहित संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी नामित करते हुए उन्हें दायित्व सौंपे गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि यूपी के विकसित होने में अमरोहा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बैठक में डीएम ने कहा कि यह अभियान में जनता को जोड़कर भविष्य का रोडमैप तय करने का प्रयास है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अभियान की सफलता के लिए निर्धारित थीम और सेक्टर पर आधारित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आई०ए०एस० करन सिंह चौहान, सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह, आचार्य चौ०चरण सिंह वि०वि० मेरठ प्रो० मृदुल कुमार गुप्ता, सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता राजीव शर्मा और जनपद के नोडल अधिकारी एवं आवास आयुक्त डा0 बलकार सिंह उपस्थित रहेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि विकसित भारत @2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश को 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इस मिशन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुऐ एक समृद्ध, समान और वैश्विक स्तर पर सम्मानित राज्य का निर्माण किया जायेगा। इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु विजन डॉक्यूमेंट बनाया जाना प्रस्तावित है। यह विजन डॉक्यूमेंट तीन थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति एंव 12 सेक्टर कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आई०टी० एवं इमर्जिंग प्रोद्योगिकी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया जा रहा है। "समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047" अभियान की जन-जागरूकता हेतु विभिन्न लक्षित समूहो (छात्र, शिक्षक, व्यवसायिक, उद्यमी, कृषक, स्वंय सेवी संगठन, श्रमिक संगठन, मीडिया, आम जनमानस इत्यादि) के साथ विगत 08 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के सम्बंध में अवगत कराते हुऐ राज्य के विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा की जायेगी तथा उनसे फीडबैक प्राप्त किया जायेगा। आमजनों की सहभागिता को जोडते हुए सूचना विभाग द्वारा होर्डिंग स्थापित की गई हैं। जिसमें क्यूआर कोड स्कैन कर अथवा पोर्टल https://samarthuttarpradesh. up.gov.in पर लिखकर या बोलकर अपने सुझाव दे सकते है। यह सुझाव जनपद, प्रदेश एवं देश में प्रगति लाएंगे तथा 2047 के रोडमैप बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इनसे नीतियों का निर्माण होगा। मूल्यवान सुझाव देने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। इसके तहत जनपद के प्रत्येक नागरिक को पोर्टल पर सुझाव देने का अधिकार है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए राशन एवं अन्य सामग्री लेकर ट्रैक्टर ट्राली पंजाब रवाना.. कामेंद्र चौधरी

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (BRSS) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि पंजाब में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। जनजीवन अस्त - व्यस्त है, फसले बर्बाद हो चुकी है, घर, सड़क, दुकान, स्कूल अस्पताल, आदि बाढ़ की चपेट में है।बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ग्राम चमरौआ, सैण्डा उर्फ सेहरा से गेहूं, चावल, आटा, दाल, मसाले, नमक, तेल, आलू, चीनी सामग्री संग्रह की गई है।पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए ग्राम - चमरौआ से ट्रैक्टर ट्राली राशन एवं अन्य सामान लेकर पंजाब जा रही है। कामेन्द्र चौधरी, विपिन कुमार, राजीव कुमार बाबूजी, सेवक सैनी, अंकित सैनी, अनिल कुमार, सुफियान पाशा, मो. हसन को समस्त ग्राम वासियों ने ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा पंजाब रवाना किया ! मुख्य रूप से कामेन्द्र चौधरी, अमरपाल सिंह, गणेश कुमार, अनस कुमार, अफसर, छोटे सिंह, बृजपाल सिंह, देवकरण सिंह, पवन कुमार, रवि कुमार, रेशू आदि सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत नौगावा सादात में विशेष कार्यशाला आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा "राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान" के अंतर्गत आज एस. एम. इंटर कॉलेज, नौगांवा सादात में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह राष्ट्रव्यापी अभियान 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित, सुलभ और आपसी सहमति से न्याय दिलाना है। कार्यक्रम में वैवाहिक विवाद, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटना मुआवजा, चेक बाउंस और संपत्ति विवाद जैसे अनेक दीवानी मामलों का समाधान मध्यस्थता (मेडिएशन) के माध्यम से किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल बनाकर समाज में सौहार्द और समरसता को बढ़ावा देना रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ज्योति चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मध्यस्थता की प्रक्रिया, इसके लाभ व सामाजिक महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, मध्यस्थता एक समयबद्ध, किफायती और प्रभावी विधिक प्रक्रिया है, जो दोनों पक्षों की सहमति से विवादों का समाधान सुनिश्चित करती है। इस अवसर पर महेश सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की गतिविधियों की जानकारी दी तथा बच्चों के अधिकारों व बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर चेतावनी देते हुए जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को अपने भविष्य निर्माण और जीवन में लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि आगामी 13 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन विभिन्न मामलों में निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकेंगे। एल.डी.एम. कार्यालय से आए योगेश कुमार ने बैंकों द्वारा संचालित योजनाओं, बैंक रिकवरी प्रक्रिया तथा शिक्षा ऋण से संबंधित जानकारी साझा की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षकगण और गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रमुख उपस्थितजनों में कुलदीप सिंह, जयदेव सिंह, सोवित सिंह, सिमरन सहित अनेक सम्माननीय जन शामिल रहे।

मंडी धनौरा पुलिस ने चैकिंग के दौरान दबोचा वाहन चोर

संबंधित धाराओं चालान कर जनपद न्यालय भेजा

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर वाहन चोर को दबोच कर उसका मुकदमे की संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय को भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से तीन मोटरसाइकिल, मोटरसाइकिल का कटा हुआ इंजन एवं मोटरसाइकिल के अन्य पुर्जे बरामद किए गए हैं बता दें कि सोमवार को मंडी धनौरा क्षेत्र अधिकारी अंजलि कटारिया ने बताया कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार मंडी धनौरा पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान एक वाहन चोर अभियुक्त शमशेर पुत्र शमसुद्दीन निवासी नूरपुर जनपद बिजनौर को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से तीन मोटरसाइकिल एवं कुछ कट्टों में एक मोटरसाइकिल का कटा हुआ इंजन, साइलेंसर सहित कुछ अन्य पुर्जे बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्त का अपराध की संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय भेज दिया गया है।

आल इंडिया पत्रकार एकता एसोसिएशन समारोह हुआ संपन्न

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- आल इंडिया पत्रकार एकता एसोसिएशन संगठन का पत्रकार मिलन समारोह पत्रकार वी के बसीर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता नदीम अब्बास जैदी चेयर मैंन ने की। समारोह का संचालन खालिद खां प्रदेश अध्यक्ष भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन ने संचालन किया और मनवीर चिकारा पूर्व राज्य मंत्री, दिलशाद अली राष्ट्रीय अध्यक्ष, चांद चौधरी,शौ सिंह सैनी, साजिया परवीन,वी के सिंध, ब्रज मोहन, अहमद नूर और पूजा सहित पत्रकारों ने संबोधित किया। पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न,बच्चों को निःशुल्क उच्च शिक्षा और पत्रकारों के लिए एक एक कानून बनाए जाने की बात की। और कहा गया कि पत्रकारों के सम्मान के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।और निष्पक्ष निडर होकर पत्रकारिता करने के लिए प्रेरित किया गया। पत्रकार बिना प्रलोभन के अपनी ड्यूटी बड़ी ईमानदारी से करते हैं लेकिन यह कार्य कुछ प्रशासन के लोगों को अच्छा नहीं लगता इसलिए लिखते हैं पत्रकारों पर फर्जी मुकदमा,कहा गया कि मुकदमों से किसी भी प्रकार डरना नहीं है कलम का जबाब कलम से ही दें और जीत होगी। सभी पत्रकारों और आए हुए चेयर मैंन,पूर्व राज्य मंत्री को सील्ड और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वी के बशीर,इमरान उस्मानी ,रेशमा परवीन,साजिया परवीन,पूजा, दिशाद अली,ब्रज मोहन,चांद चौधरी, शौ सिंह सैनी,डॉक्टर विक्रम,डाक्टर फहत,गोविंद सहित सैकड़ों पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

बिजनौर में गंगा का कहर, रावली बैराज के पास तटबंध टूटने की कगार पर

बिजनौर (सब का सपना):- गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। रावली बैराज के पास स्थित एप्रोच तटबंध पर गंगा का तेज बहाव खतरा बनकर मंडरा रहा है। तेज धार से तटबंध और उस पर बनी पक्की सड़क का हिस्सा बहाव में बह चुका है। रविवार सुबह से अपलेक्स बांध के करीब 6 किलोमीटर क्षेत्र में तेज कटान शुरू हो गया। तटबंध टूटने की स्थिति में आसपास के दर्जनों गाँव और हजारों हेक्टेयर जंगल व खेती-बाड़ी जलमग्न होने की आशंका है। स्थिति को संभालने के लिए सिंचाई विभाग और प्रशासन ने तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया है। तटबंध को बचाने के लिए पेड़ों को काटकर और भारी-भरकम पत्थरों को जेसीबी व पोकलेन मशीनों की मदद से गंगा की धारा में डाला जा रहा है। सैकड़ों मजदूर, अधिकारी और ग्रामीण लगातार मौके पर डटे हुए हैं। इसके बावजूद 24 घंटे बाद भी तटबंध को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया जा सका है।सोमवार को सिंचाई विभाग के चीफ एम. बंसल समेत कई अधिकारी तटबंध किनारे पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि तटबंध को बचाने के लिए वायर क्रेट, बोल्डर क्रेट, गेट बोल्डर और पेड़ों को काटकर डाला जा रहा है ताकि कटान पर रोक लगाई जा सके। विभाग की टीम दिन-रात लगातार काम कर रही है। अगर तटबंध टूटता है तो दर्जनों गाँवों में पानी घुस सकता है और हजारों हेक्टेयर जमीन जलमग्न हो सकती है। हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने सभी संभव उपाय शुरू कर दिए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही कटान पर रोक लगाई जा सकेगी।

विश्व फिजियोथैरेपी डे पर वैश्य एकता मंच द्वारा सम्मान समारोह

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- विश्व फिजियोथैरेपी डे के अवसर पर वैश्य एकता मंच, चंदौसी-संभल द्वारा नगर के समस्त हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंच के पदाधिकारियों व सदस्यों ने नगर में स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान दे रहे डॉक्टर्स को पटका पहनाकर एवं सम्मान पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक समाज का आधार स्तंभ हैं, और फिजियोथैरेपी एवं हड्डी रोग विशेषज्ञों की भूमिका आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाएँ न केवल मरीजों को स्वस्थ जीवन प्रदान करती हैं बल्कि समाज को मजबूत और जागरूक भी बनाती हैं। इस अवसर पर वैश्य एकता मंच के युवा साथियों लवित वार्ष्णेय, आकाश वार्ष्णेय, दीपेश सेठ, तुषार वार्ष्णेय, दिशान्त वार्ष्णेय एवं अभिनव वार्ष्णेय, अंशुल अग्रवाल की विशेष उपस्थिति और सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मंच के पदाधिकारी एवं नगरवासी मौजूद रहे।

गाँव पाडली मांडू की बिजली समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन का धरना दूसरे दिन भी जारी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के ग्राम पाडली मांडू की बिजली लाइन की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन के युवा जिला अध्यक्ष चौधरी आकाश डबास ने रविवार शाम 5 बजे से अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड नूरपुर कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। सोमवार को धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। चौधरी आकाश डबास ने बताया कि उनके गाँव की बिजली लाइन वर्तमान में लगभग 30 35 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर आती है, जबकि इसे महज 2.5 से 3 किलोमीटर में जोड़ा जा सकता है। इस विषय में वे कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक बिजली लाइन को सही ढंग से नहीं जोड़ा जाता, तब तक यह धरना जारी रहेगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई में आयोजित हुआ दिव्यांग जन कैंप

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई, जनपद संभल मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) तरुण पाठक के मार्गदर्शन में एक दिव्यांग जन कैंप का सफल आयोजन किया गया।

इस कैंप का उद्देश्य क्षेत्र के दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना और उनके लिए प्रमाण पत्र जारी करना था, ताकि वे सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठा सकें।कैंप में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए, जिनमें से 44 दिव्यांगजनों को चिकित्सकीय जांच के उपरांत प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। इन प्रमाण पत्रों के माध्यम से लाभार्थी विभिन्न सरकारी योजनाओं, जैसे पेंशन, सहायता उपकरण, और अन्य कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, 15 व्यक्तियों को विशेषज्ञ जांच और उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्रों (हायर सेंटर) में रेफर किया गया, ताकि उनकी स्थिति का और बेहतर मूल्यांकन और उपचार हो सके। हालांकि, कैंप के दौरान 11 व्यक्तियों के आवेदन कुछ तकनीकी कारणों या अपूर्ण पात्रता के आधार पर रिजेक्ट किए गए। सीएमओ तरुण पाठक ने बताया कि रिजेक्ट किए गए आवेदनों की समीक्षा की जाएगी, और यदि संभव हुआ तो उन्हें दोबारा कैंप में शामिल होने का अवसर प्रदान किया जाएगा। इस कैंप में चिकित्सकों की एक विशेषज्ञ टीम ने दिव्यांगजनों की जांच की और उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया। कैंप के आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने भी सक्रिय सहयोग दिया। सीएमओ तरुण पाठक ने कैंप की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस कैंप के माध्यम से हमने न केवल प्रमाण पत्र वितरित किए, बल्कि कई लोगों को उचित चिकित्सा मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

दिल्ली सरकार बनी फुलेरा पंचायत ! सीएम के पति की मीटिंग में मौजूदगी पर सवाल, एएपी का तंज दिल्ली में परिवारवाद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति के आधिकारिक सरकारी बैठकों में मौजूद होने को 'पूरी तरह असंवैधानिक' करार दिया है। उन्होंने दिल्ली सरकार की तुलना लोकप्रिय वेब सीरिज 'पंचायत' से करते हुए कहा है कि दिल्ली सरकार बनी फुलेरा पंचायत! 'सीएम के पति आधिकारिक मीटिंग में बैठते हैं' सौरभ भारद्वाज ने इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, "दिल्ली सरकार बनी फुलेरा पंचायत! जैसे फुलेरा की पंचायत में महिला प्रधान के पति प्रधान की तरह काम करते थे , आज दिल्ली में सीएम के पति आधिकारिक मीटिंग में बैठ रहे हैं। हमने पहले भी बताया था कि सीएम के पति आधिकारिक मीटिंग में बैठते हैं, अधिकारियों के साथ मीटिंग और

इंस्पेक्शन करते हैं। ये पूरी तरह से असंवैधानिक है।" उन्होंने आगे लिखा, "देश की राजधानी में प्रजातंत्र और संविधानिक व्यवस्था का इस तरह मजाक बनाया जा रहा है। परिवारवाद पर पानी पी-पी कर कांग्रेस को गालियों देने वाली भाजपा बयाये-ये परिवारवाद नहीं है तो क्या है? क्या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी की मुख्यमंत्री के पास कोई ऐसा कार्यकर्ता नहीं बचा है जिसपर वो भरोसा कर सकें? ऐसा क्या काम है

आप ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उनके पति मनीष गुप्ता सरकारी बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं जो पूरी तरह से असंवैधानिक है।

जो सिर्फ परिवार वाला ही कर सकता है? ऐसे क्या कारण हैं कि सीएम अपने पति की अथॉरिटी स्थापित करना चाहती हैं?" सौरभ भारद्वाज ने यहीं नहीं रुके उन्होंने लिखा, "क्यों इस तरह से अपने पति को सरकारी प्रशासनिक सिस्टम का हिस्सा बनाया जा रहा है? ये फोटो सीएम रेखा गुप्ता के इंस्टाग्राम से ली गई हैं । सीएमओ के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी यही फोटो डाली हुई हैं।" रविवार को 'आप' ने उठाया था मुद्दा इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए एक कथित तस्वीर साझा की थी, जिसमें उनके पति मनीष गुप्ता उनके बगल में बैठे थे और प्रशासन की तुलना "फुलेरा की पंचायत" से की गई। एक्स पर तस्वीर पोस्ट करते हुए आप ने लिखा, "क्या दिल्ली में फुलेरा की पंचायत सरकार चल रही है? मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक बैठक करती हैं जिसमें कई अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं। लेकिन मुख्यमंत्री के बगल में, उनके बगल वाली कुर्सी पर उनका पति मनीष गुप्ता बैठा है।" हालांकि, इस विवाद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है।

डूसू चुनाव में एसैप ने गारंटी बांड की शर्त का किया विरोध, छात्रों को डराने का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसोसिएशन आफ स्टूडेंट्स फार अल्टरनेटिव पालिटिक्स (एसैप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्र संघ चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से माता-पिता के हस्ताक्षर सहित एक लाख रुपये का गारंटी बांड जमा कराने की शर्त का कड़ा विरोध किया है। एसैप की राष्ट्रीय संयोजक ईशना गुप्ता ने कहा कि कोर्ट ने पहले डीयू के एक लाख रुपये के बांड जमा कराने के आदेश को रद किया था, लेकिन अब प्रशासन ने छात्रों पर गारंटी बांड की नई शर्त थोप दी है। ह्लजिन छात्रों के माता-पिता दिल्ली के बाहर रहते हैं, वे 10 सितंबर तक यह बांड कैसे जमा करेंगे? यह शर्त गरीब और महिला छात्रों की भागीदारी घटाएगी,ह्व। ईशना ने आरोप लगाया कि यह कदम छात्रों को और उनके माता-पिता को डराने के लिए है। बांड में माता-पिता के बैंक खाते की जानकारी, व्यक्तिगत विवरण और एक लाख रुपये तक भुगतान करने की गारंटी देनी होगी। इससे कई माता-पिता हस्ताक्षर करने से मना कर सकते हैं, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी प्रभावित होगी। एसैप के वरिष्ठ सदस्य आशु बिधूड़ी ने कहा कि यह नियम न तो डूसू संविधान में है और न ही लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों में। विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारी छात्रों पर डाल रहा है। इस भेदभावपूर्ण प्रविधान के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

48 घंटे में दबोचे गए शातिर आरोपी, तीस हजारी कोर्ट के पास दिया था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। दिल्ली में थाना सब्जी मंडी पुलिस टीम ने 48 घंटे के भीतर तीस हजारी कोर्ट के पास से ट्रांसपोर्टर का मोबाइल झपटने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वहीं, पकड़े गए आरोपियों की पहचान हशनाइन उर्फ हसनैन और अब्दुल साहिब के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक झपटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल एक स्कूटी बरामद की है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, शिकायतकर्ता देव दत्त सिंह राणा ने तीस हजारी के गेट नंबर 5 से स्कूटी सवार दो बदमाशों द्वारा मोबाइल फोन झपटमारी की शिकायत दर्ज कराई थी। कार्रवाई करते हुए टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाल दोनों आरोपितों की पहचान कर उन्हें बल्लीमारान से दबोच लिया। वहीं, पूछताछ में पता चला कि दोनों नशे के आदि हैं और नशे की अपनी जरूरतों और आसान पैसे के लिए अपराध करते थे।

दिल्ली में चल रहा था मुंबई बेस्ड ऑनलाइन कैसीनो रैकेट, क्यूआर कोड और ऐप लिंक से करते थे 'शिकार, नौ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मुंबई आधारित एक अवैध ऑनलाइन कैसीनो जुआ रैकेट का खुलासा किया है। आरोपी संदिग्ध लिंक और अनधिकृत ऐप्स के माध्यम से यूजर्स को शिकार बनाते थे। इस मामले में सरगना सहित 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी एक ऑनलाइन ऐप के माध्यम से आधिकारिक ऐप स्टोर के बाहर होस्ट किए गए डाउनलोड लिंक चला रहे थे। पीड़ितों को एक क्यूआर कोड का उपयोग करके अनधिकृत एप्लिकेशन इंस्टॉल करने और जुआ मंच तक पहुंचने के लिए ओटीपी दर्ज करने के लिए प्रेरित किया जाता था। एप्लिकेशन इंस्टॉल होने के बाद यूजर्स को ऑनलाइन कैसीनो-शैली के खेलों में भाग लेने के लिए वास्तविक रुपये से पॉइंट्स खरीदने

के लिए उकसाया जाता था। 2-3 महीने तक ऐप संचालित करने के बाद आरोपी इसे निष्क्रिय कर देते थे और एक नया लिंक प्रसारित करते थे। इससे धोखाधड़ी का चक्र जारी रहता था और नए यूजर्स को निशाना बनाया जाता था। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 5 सितंबर को टीम सुल्तान पूरी क्षेत्र में गश्त पर थी। गश्त के दौरान टीम को सुल्तान पूरी के पी-ब्लॉक स्थित डीडीए मार्केट के पास कुछ लोगों द्वारा अवैध ऑनलाइन जुआ खेलने की सूचना मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिसकर्मियों की मदद से छापेमारी की गई। मौके पर पहुंचने पर टीम ने एक समूह को ऑनलाइन जुआ खेलते हुए धर लिया। संदिग्धों ने भागने की कोशिश की लेकिन उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस दौरान कुल 9 लोगों को पकड़ा गया था, जिसमें सरगना भी शामिल था। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र की गहन तलाशी में 85,320 रुपये नकद (अवैध ऑनलाइन जुआ से कमाए गए), छह कंप्यूटर सेटअप (मॉनिटर, सीपीयू, कीबोर्ड और माउस) एवं अन्य जुआ सामग्री बरामद की गई। अब इन आरोपियों पर सुल्तान पूरी पुलिस स्टेशन में दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया है। सरगना की पहचान भुवेंद्र उर्फ भूपेंद्र (48) के रूप में हुई, जो दिल्ली के सुल्तान पूरी का निवासी है। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में सूरज (26 वर्ष), मयंक (20 वर्ष), राहुल (26 वर्ष), रोहन (23 वर्ष), राजेंद्र गुप्ता (40 वर्ष), धर्मवीर (33 वर्ष), दिलशाद अहमद (33 वर्ष) और राजेश गुप्ता (32 वर्ष) शामिल हैं।

दिल्ली में अवैध जींस रंगाई यूनिट्स पर एनजीटी सख्त, डीपीसीसी रिपोर्ट पर उठे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में चल रही अवैध जींस रंगाई यूनिट से जुड़े मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (डीपीसीसी) ने आवेदनकर्ता को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)द्वारा दाखिल की गई रिपोर्ट पर सवाल उठातने वाले आवेदनकर्ता को आपत्तियां पेश करने की अनुमति दी है। एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आदेश तब दिया जब आवेदनकर्ता ने आरोप लगाया कि रिपोर्ट में दिए गए जियो-कोआर्डिनेट्स गलत हैं। यह भी कहा कि सही लोकेशन की जानकारी 28 फरवरी और तीन मार्च .2025 को डीपीसीसी को दी गई थी, लेकिन वहां निरीक्षण नहीं हुआ। इस पर एनजीटी

ने आवेदनकर्ता को डीपीसीसी की रिपोर्ट पर आपत्ति दर्ज कराने और उसके द्वारा दिए गए सही जियो-कोआर्डिनेट्स व अन्य सुबूत पेश करने को कहा, ताकि यह साबित हो सके कि उचित निरीक्षण नहीं हुआ। एनजीटी ने ओवदनकर्ता को चार सप्ताह में आपत्ति दाखिल करने व डीपीसीसी को छह सप्ताह के भीतर अतिरिक्त रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। एनजीटी बिंदापुर, मटियाला, रंहोला, ख्याला, मीठापुर, बदरपुर, मुकुंदपुर और किरार क्षेत्रों में बिना अनुमति-एनओसी के चल रही रंगाई यूनिट के खिलाफ आवेदनकर्ता वरुण गुलाटी के आवेदन पर विचार कर रहा है। आवेदन में कहा गया है कि यूनिट पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित की जा रही है। वहीं, डीपीसीसी ने 20 मई 2025 को दाखिल की गई रिपोर्ट में कहा कि आठ अप्रैल, सात मई और आठ मई 2025 को एमसीडी, बीएसईएस, एसडीएम कार्यालय, दिल्ली जल बोर्ड और डीपीसीसी की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। कुल 22 स्थानों की जांच की गई। कुछ जगहों पर डाईंग/वाशिंग गतिविधि नहीं मिली, जबकि दो स्थानों पर जींस डाईंग और वाशिंग की गतिविधि मिली। इस पर एसडीएम (सरिता विहार) ने एमसीडी, डीपीसीसी, बीएसईएस और डीजेबी की मौजूदगी में सीलिंग की कार्रवाई की। इसके साथ ही संबंधित यूनिट के विरुद्ध एनवायरनमेंटल डैमेज चार्ज लगाने की प्रक्रिया जारी है।

'दिल्ली में दो मुख्यमंत्री, इसमें एक सुपर सीएम', संजय सिंह ने आखिर ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अधिकारियों के साथ मीटिंग की फोटो सुर्खियों में है। दरअसल, वायरल तस्वीर में कथित तौर पर उनके पति मनीष गुप्ता भी बैठे हैं। ऐसे में विपक्षी आम आदमी पार्टी ने उन्हें निशाने पर लिया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सीएम रेखा गुप्ता पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा- दिल्ली में इस समय दो मुख्यमंत्री हैं, पहली खुद रेखा गुप्ता जी और दूसरे उनके पति मनीष गुप्ता जी, जो सुपर सीएम

हैं। मोदी जी ने दिल्ली में 'फुलेरा की पंचायत' वाली सरकार बनाई है, जिसने 6 महीने में ही दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। वहीं पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा- क्या रेखा गुप्ता जी योग्य नहीं हैं, जो अपना काम खुद कर सकें? क्या भाजपा में कोई ऐसा योग्य इंसान नहीं है जो रेखा गुप्ता जी के साथ ओएसडी या पी.एस. बनकर काम कर सके? उन्होंने कहा कि भाजपा कोई एक कानून दिखा दे, जिसमें यह लिखा हो कि सीएम साहिबा के पति अफसरों को निर्देश दे सकते हैं। यह मामला केवल नैतिकता ही नहीं बल्कि कानून के खिलाफ भी है।

दिल्ली से एक की तलाश में निकली पुलिस ने 6 बच्चों को बचाया; बच्चा चोरों का इंटरस्टेट गिरोह बेनकाब, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी की दक्षिण-पूर्व जिले की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने बच्चों के अपहरण और तस्करी में लिप्त एक बड़े गिरोह का सोमवार को भंडाफोड़ किया। वे बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों से बच्चों को चुराते थे। इस ऑपरेशन में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में दिल्ली के सराय काले खां से चुराए गए एक 6 महीने के बच्चे को आगरा से और पांच अन्य बच्चों को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया। बच्चा चुराने का ऑर्डर आगरा के एक डॉक्टर ने दिया था। पूछताछ के बाद खुलासा होते-होते इस रैकेट के तार दिल्ली से शुरू होकर हरियाणा, राजस्थान और यूपी होते हुए उत्तराखंड तक जा पहुंचे। इस तरह दिल्ली पुलिस ने एक बच्चे की तलाश शुरू करते हुए 6 बच्चों को तस्करों से सुरक्षित बचा लिया। स्टेशन से चुरा ले गए बच्चा इस संबंध में पुलिस की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते 22 अगस्त एक शिकायतकर्ता सुरेश ने बताया कि वह यूपी के बांदा जनपद का रहने वाला है। वह अपने परिवार के साथ आईएसबीटी सराय काले खां पर रुका हुआ था। उनके परिवार में पत्नी और चार बच्चे शामिल थे, जिनमें सबसे छोटा छह महीने का

बच्चा था। पीड़ित ने बताया कि रात करीब 11 बजे, जब वे प्लेटफॉर्म नंबर दो पर सो रहे थे तब उनका बच्चा गायब हो गया। जांच टीम और पुलिस ऑपरेशन इसके बाद तहरीर के आधार पर पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी में एफआईआर दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए, स्पेशल स्टाफ और पुलिस थाना सनलाइट कॉलोनी की टीम गठित की गई। इसका नेतृत्व एसीपी लाजपत नगर मिहिर सकारिया और एडिशनल डीसीपी ऐश्वर्या शर्मा के मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह डागर ने किया। मुखबिरों की मदद से पकड़ा गया वीरभान पुलिस ने बताया कि फिर टीम ने आईएसबीटी सराय काले खां के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें संदिग्धों को बच्चे को ले जाते देखा गया। फुटेज से मिली जानकारी के आधार पर टेक्नोलॉजी और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी वीरभान को हरियाणा के फतेहाबाद के पिनहट दबोच लिया गया। वीरभान ने रामबाबू को बेचा बच्चा पूछताछ के दौरान, आरोपी वीरभान ने बताया कि आगरा के बाह में रहने वाले रामबाबू ने उसे एक 5-6 महीने का बच्चा अपहरण करके लाने के लिए कहा था, जिसे बेचा जा सके। उसने यह भी बताया कि वह अपने फतेहाबाद निवासी ससुर कालीचरण के साथ आईएसबीटी सराय काले खां गया था। आगरा के डॉक्टर ने की थी डिमांड उन्होंने रात 10:30 बजे बच्चे का अपहरण किया और फतेहाबाद वापस लौट आए थे। इसके बाद कालीचरण को पकड़ लिया गया। यह भी पता चला कि वीरभान और कालीचरण दोनों रामबाबू के साथ मिलकर बच्चे को आगरा स्थित केके हॉस्पिटल के मालिक डॉ. कमलेश के पास ले गए थे।

देवरानी की दहेज के लिए गला घोंटकर हत्या, 5 साल से फरार कौशल्या देवी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में दहेज के लिए देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने में शामिल भगोड़ा घोषित महिला को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला पिछले पांच साल फरार थी। इसकी पहचान बदायूं, यूपी की कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, वर्ष 2019 में नीरज नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई। लोकल पुलिस के अलावा अपराध शाखा की टीम को उसकी तलाश में लगाया गया। जांच के दौरान कौशल्या के मध्य प्रदेश में छिपे होने का पता चला। दिल्ली की अदालत ने 23 मार्च 2023 को कौशल्या को भगोड़ा घोषित कर दिया। इस बीच महिला दिल्ली के गांधी नगर इलाके में छिपकर रहने लगी। इंस्पेक्टर उमेश राणा व अन्यों की टीम ने उसकी लोकेशन का पता किया। बाद में कौशल्या को गांधी नगर से दबोच लिया। वह एक सिलाई की फैक्टरी में मजूदरी कर रही थी। पुलिस उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

कारोबारी के घर लाखों की चोरी करने वाला नौकर गिरफ्तार, पुलिस पूछताछ में खोले बड़े राज

नई दिल्ली। दिल्ली में बाराखंभा रोड स्थित कारोबारी के घर से लाखों के आभूषण, भारतीय और विदेशी करेंसी चोरी कर फरार नौकर को बाराखंभा रोड पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान सीतापुर यूपी के रिंकू के रूप में हुई है। मोबाइल जांच से संदिग्ध यूपीआई लेनदेन और डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। संगम विहार स्थित उसके घर से चोरी के सामान भी बरामद हुए। कुछ सामान आरोपित ने अपने गांव भेजा था। जिसकी बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। उपायुक्त देवेश कुमार महला के मुताबिक, सतेन्द्र सिंह छाबड़ा ने बाराखंभा रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि कस्तुरबा गांधी मार्ग स्थित उनके घर से घरेलू नौकर रिंकू भारतीय व विदेशी करेंसी के अलावा और लाखों रुपये मूल्य के आभूषण चोरी कर फरार हो गया है। उनकी शिकायत पर छह सितंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसके बाद टीम ने उसे रविवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके मोबाइल फोन की जांच में बड़े पैमाने पर संदिग्ध यूपीआइ लेनदेन पाए गए। उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने चोरी की बात कबूल कर ली। उसके बाद संगम विहार स्थित उसके किराए के मकान से आभूषण, कैश और अन्य सामान बरामद कर लिया गया। पहले वह राजौरी गार्डन में घरेलू नौकर के रूप में काम करता था। बाद में एक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से छाबड़ा परिवार के यहां नौकरी उसे मिल गई। एक टीम अन्य सामान बरामद करने के लिए उसके गांव भेजा गया है।

अब दिल्ली में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए सख्त नियम, मानकों की संख्या 27 से घटाकर हुई 12

नई दिल्ली। दिल्ली में निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए अब सेंसर और विंड बैरियर या ब्रेकर की मदद भी ली जाएगी। एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर तो रहेंगे ही। विशेष बात यह कि इस निमित्त 27 मानकों को घटाकर 12 कर दिया गया है। दरअसल, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के लिए पूर्व निर्धारित 27 मानकों में बदलाव किया है। मिलते-जुलते, अव्यवहारिक और निर्माण परियोजनाओं के समय पर पूरा होने में बाधा बनने वाले मानकों को हटा दिया गया है। सभी नए मानक भी तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। डीपीसीसी अधिकारियों ने बताया कि चूंकि धूल प्रदूषण में पीएम 2.5 और पीएम 10 के कण भी काफी मात्रा में रहते हैं। इसीलिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देश पर डीपीसीसी ने एक डस्ट पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर 500 वर्ग मीटर से बडे सभी निर्माण स्थलों के लिए अपना पंजीकरण करवाना अनिवार्य किया गया। उनके लिए धूल नियंत्रण के 27 मानक तय किए गए और हर पखवाड़े उनकी अनुपालना रिपोर्ट जमा कराना जरूरी किया गया, भाजपा सरकार बनने के बाद जब डीपीसीसी के अधिकारियों ने पिछले दिनों इन मानकों की समीक्षा की तो उनमें आधे से अधिक बेमानी पाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, मानकों का मतलब सही मायने में धूल नियंत्रण करना होना चाहिए, न कि निर्माण करने वालों को परेशान करना। इसीलिए अब केवल जरूरी व व्यावहारिक मानक ही रखे गए हैं, शेष हटा दिए गए। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण स्थल संचालकों को इन सभी मानकों का पालन सुनिश्चित होने के प्रमाण देते हुए हर पखवाड़े रिपोर्ट भी जमा करानी होगी।

नशे में धुत ट्रक चालक ने सड़क किनारे बैठे युवक को रौंदा, 20 किमी तक पीछा करके राहगीरों ने ड्राइवर को पकड़ा

बाहरी दिल्ली। केशवपुरम थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे बैठे एक शख्स को कुचल दिया। इस हादसे में 28 साल के सुरेश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आशंका जताई

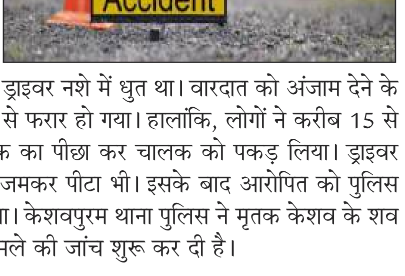

जा रही है कि ट्रक का ड्राइवर नशे में धुत था। वारदात को अंजाम देने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि, लोगों ने करीब 15 से 20 किलोमीटर दूर ट्रक का पीछा कर चालक को पकड़ लिया। ड्राइवर को इस बीच लोगों ने जमकर पीटा भी। इसके बाद आरोपित को पुलिस के हवाले कर दिया गया। केशवपुरम थाना पुलिस ने मृतक केशव के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा को मिलेंगी 450 इलेक्ट्रिक बसें, 100 सिर्फ इस अकेले जिले में दौड़ेंगी

चंडीगढ़ : देशभर में प्रदूषण पर नियंत्रण और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पीएम-ई-बस सेवा योजना के तहत करीब 10 हजार इलेक्ट्रिक बसें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पहल का लाभ हरियाणा को भी मिलेगा, जहां लगभग 450 ई-बसें चलाई जाएंगी। इनमें से 100 बसें अकेले गुरुग्राम की सड़कों पर दौड़ेंगी। केंद्रीय शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में 28.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो कॉरिडोर के भूमि पूजन के अवसर पर इसकी घोषणा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद थे। मंत्री ने बताया कि यह योजना प्रदूषण कम करने के साथ-साथ लोगों को आधुनिक, सुरक्षित और किफायती सार्वजनिक परिवहन सुविधा मुहैया कराएगी। विशेषज्ञ संस्थानों के अनुमान बताते हैं कि ई-बस योजना से देशभर में 45 से 55 हजार तक नए रोजगार पैदा हो सकते हैं। वहीं, अब तक चल रही 3,800 से अधिक ई-बसों से हजारों टन हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में कमी आई है, जिसका सीधा लाभ पर्यावरण और जनता के स्वास्थ्य को मिल रहा है।अगस्त 2023 में शुरू हुई इस योजना पर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का केंद्रीय निवेश किया जा रहा है। बसों का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा। सरकार ने बसों के प्रकार के हिसाब से प्रति किलोमीटर सहायता राशि भी तय की है। इसके साथ ही चार्जिंग स्टेशन और बस डिपो के निर्माण में भी केंद्र की ओर से पूरी मदद दी जाएगी।

पंजाब-हिमाचल के साथ-साथ हरियाणा में भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करें पीएमः कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ : सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पंजाब और हिमाचल के साथ-साथ हरियाणा में भी बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करना चाहिए। केंद्र का दायित्व बनता है कि जिन-जिन राज्यों में प्राकृतिक आपदा आई है वहां मदद करें। अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग मानदंड नहीं होने चाहिए। साथ ही सैलजा ने कहा कि अगर हरियाणा में शासन और प्रशासन ने पहले ही मिलकर योजना तैयार की होती और उस पर ईमानदारी से काम किया होता तो बाढ़ से इतना नुकसान न होगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार एक ही रट लगाए हुए है कि बाढ़ से जो भी नुकसान हुआ है उसे पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए, उसी के आधार पर मुआवजा प्रदान किया जाएगा पर सरकार को पता होना चाहिए कि उसका पोर्टल आए दिन बंद रहता है, कभी सर्वर डाऊन रहता है और गांवों में तो हालात और भी बुरे है वहां पर पोर्टल खुलता ही नहीं है ऐसे में किसान नुकसान के बारे में क्या जानकारी अपलोड करेगा। सरकार इस तरह से किसानों को गुमराह कर रही है, सरकार की नीयत साफ हो तो इसके लिए पटवारी की जिम्मेदारी तय कर नुकसान का आंकलन कर सकती है। सरकार की नीयत साफ नहीं लग रही है, पोर्टल में खराबी के चलते ज्यादातर किसान वंचित रह जाएंगे ऐसे में मुआवजा भी कम ही किसानों को देना होगा। बाद में सरकार एक ही बात कह सकती है कि किसान ने नुकसान के बारे में बताया ही नहीं तो मुआवजा कैसे दिया जा सकता है। सांसद ने कहा कि जब प्रदेश में अलग-अलग जिलों से एक ही आवाज आ रही है कि पोर्टल खुल नहीं रहा है तो सरकार को इस दिशा में सोचना चाहिए, जो भी तकनीकि खामी है उसे दूर करवाया जाना चाहिए अगर पोर्टल काम नहीं करता तो पटवारियों को भेजकर विशेष गिरदावरी करवाई जाए क्योंकि किसान को नुकसान हुआ है और ऐसे हालात में वह नुकसान सहने की स्थिति में नहीं है सरकार उसके नुकसान की भरपाई कर किसान की मदद कर सकती है। सांसद ने कहा कि घग्घर नदी के तटबंध टूट रहे है क्योंकि सरकार ने तटबंधों को समय रहते मजबूत कराया ही नहीं जो भी काम हुआ उसके नाम पर केवल कागजों के पेट ही भरे गए। विपक्ष सरकार को आगाह करता रहा कि मानसून से पहले नदी, नहरों और नालों की सफाई करवाई जाए और जहां पर भी तटबंध कमजोर है उन्हें मजबूत करवाया जाए पर सरकार ने इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया। कुमारी सैलजा ने कहा कि शासन और प्रशासन के बीच अगर सही तालमेल होता तो बाढ़ से बहुत कुछ बचाव हो सकता था। शासन और प्रशासन की लापरवाही के चलते ही बाढ़ से जान माल का नुकसान हुआ है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पंजाब और हिमाचल के साथ-साथ हरियाणा में भी बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करना चाहिए। केंद्र का दायित्व बनता है कि जिन-जिन राज्यों में प्राकृतिक आपदा आई है वहां मदद करें। अलग-अलग राज्यों के लिए अलग-अलग मानदंड नहीं होने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि इस वक्त बाढ़ प्रभावित राज्यों को सबसे पहले मदद की जरूरत है, केंद्र सरकार को जल्द से जल्द मदद भेजनी चाहिए।

अब प्राइवेट बसों पर लगेगी लगाम, मान्य होंगे सभी पास, रूल तोड़ा तो परमिट होगा रद्द

चरखी दादरी : दादरी जिले सहित हरियाणा के कई जिलों में सहकारी समिति की परमिट वाली बसों में निजी बस संचालकों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही थी। छात्रों के बस पास और बुजुर्गों को मिलने वाली 50 प्रतिशत किराए में छूट को बार-बार नजरअंदाज किया जा रहा था। सरकार की हिदायतों के बावजूद शिकायतें लगातार सामने आती रहीं। दादरी जिले के जुई-बाढड़ा रूट पर तो कई बार छात्रों और बस परिचालकों के बीच बहस और विवाद की घटनाएं हो चुकी हैं। वहीं बुजुर्ग भी रोड़वेजकर्मियों को उनसे पूरा किराया वसूलने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने की शिकायत कर चुके हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आरटीए विभाग ने एक्शन शुरू किया है। टीआई राजकुमार ने साफ कहा है कि हरियाणा रोडवेज में लागू सभी नियम परमिटधारी बसों पर भी अनिवार्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हैप्पी कार्ड को छोड़कर छात्रों के पास मान्य होंगे और वरिष्ठ नागरिकों को किराए में आधी छूट मिलेगी। यदि संचालक नियमों की अनदेखी करते हैं तो उनका परमिट रद्द किया जा सकता है। इसी बीच सतनाली-तोशाम रूट पर चलने वाली बस का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें काकड़ौली निवासी छात्र संदीप और बस कंडक्टर के बीच बहस दिखाई दे रही है। छात्र ने पास दिखाया, लेकिन कंडक्टर ने उसे मानने से इंकार कर दिया और किराया देने की मांग की। ड्राइवर भी विवाद में शामिल हो गया और छात्र से ऊंची आवाज में बात करने लगा। छात्र का आरोप है कि न सिर्फ उसका पास अस्वीकार किया गया बल्कि उसे धमकी भी दी गई।

सोहना में अचानक घर से 4 नाबालिग गायब, पुलिस ने बरामद कर परिजनों के किया हवाले

सोहना : सोहना पुलिस में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया, जिस समय फौवारा चौक पुलिस चौकी को सूचना मिली कि 4 नाबालिग बच्चें अचानक घर से लापता हो गए। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज ने अपने उच्च अधिकारियों को सूचना देते हुए आनन-फानन में मुकदमा दर्ज करने के बाद बच्चों को खोजने के लिए जहां एक तरफ कस्बा के सीसीटीवी कैमरे खंगाले शुरू किए। वहीं, दूसरी तरफ एक अन्य टीम का गठन करने के बाद टीम के सदस्यों को तुरंत दिल्ली रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड तक खोजा गया, लेकिन पुलिस को वहां पर भी बच्चों का कोई सुराग नहीं लगा। सोहना पुलिस द्वारा नजदीकी पुलिस थानों में भी बच्चों के गुम होने की सूचना दी गई। अगर हम पुलिस की माने तो बच्चें खेलते हुए किसी साधन में बैठकर गुरुग्राम चले गए और वहां से वापस अपने आप ही सोहना आ गए, जिनको पुलिस ने नगली मोड़ से काबू कर बच्चों के परिजनों के हवाले करते हुए आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें उत्तर प्रदेश के जिला लखमीपुर खीरी के गांव कोठनाथ के रहने वाले गिरधारी नामक व्यक्ति करीब तीन महीने से सोहना में अपनी 9 साल की बेटी

और 6 साल की बैठी सुनैना के साथ किराए पर रहकर मजदूरी का काम करते है, जिनकी पत्नी की बीमारी के चलते करीब एक साल पहले मौत हो गई थी। इसी तरह मध्यप्रदेश के जिला छतरपुर के गांव मैग्वा के रहने वाले प्रकाश भी करीब डेढ़ साल से अपने 14 वर्षीय बेटा अरविंद और 9 साल की बेटी संगीता के साथ सोहना में किराए पर रहते है, जिनकी पत्नी भी बच्चों को छोड़ कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ भाग गई थी। दोनों लोग पड़ोसी है और सोहना के नंगली मोड़ पर किराए पर रहते है। दोनों ही व्यक्ति रविवार को सुबह बच्चों को घर पर छोड़कर मजदूरी करने के लिए चले गए थे, लेकिन जब वह शाम को घर वापस लौटे तो उनको बच्चें घर पर नही मिले। इन्होंने बच्चों के घर से गायब होने की सूचना फौवारा चौक पुलिस चौकी में दी। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने बच्चों को तलाशने के बाद बच्चों के मिलने की जानकारी उनके परिजनों को दी। बच्चों को सही सलामत देखने के बाद बच्चों के पिता पुलिस की कार्यप्रणाली से संतुष्ट नजर आए, जिन्होंने पुलिस का धन्यवाद किया है। इस मामले में पुलिस ने आगामी कार्रवाई करते हुए बच्चों के बयान उहउ में दर्ज कराए कराए जा रहे है। बच्चों को अदालत में पेश कर उनकी स्टेटमेंट रिकार्ड कराई जाएगी, लेकिन देखना इस बात का होगा कि बच्चें अपने स्टेंटमेंट मे अदालत में घर से खुद जाना बताते है या फिर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ले जाए जाने की बात कहते है।

डंकी रूट का खौफनाक सच! अमेरिका में भारतीय युवक को मिली क्रूर मौत, 45 लाख खर्च करके गया था हरियाणा का बेटा

हरियाणाः हरियाणा के जींद जिले के 26 वर्षीय युवक कपिल की अमेरिका में बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई। कपिल साल 2022 में करीब 45 लाख रुपये खर्च करके अवैध तरीके से डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा था। वहां एक मामूली विवाद उसकी मौत का कारण बन गया। कपिल का परिवार आर्थिक रूप से संपन्न नहीं था, लेकिन बेहतर भविष्य की तलाश में उसने अमेरिका जाने का सपना देखा। परिवार ने जमीन तक बेचकर एजेंटों को 45 लाख रुपये दिए। एजेंटों ने उसे डंकी रूट यानी अवैध रास्तों से मध्य और दक्षिण अमेरिकी देशों के जरिए अमेरिका पहुंचाया। कई महीनों की जोखिम भरी यात्रा के बाद कपिल 2022 में अमेरिका में दाखिल हुआ और वहीं बस गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कपिल अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक स्टोर पर काम करता था। परिवार के अनुसार, स्टोर के बाहर जब एक स्थानीय व्यक्ति सड़क पर खुलेआम पेशाब कर रहा था, तो कपिल ने उसे रोकने की कोशिश की। इसी बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गोली चला दी।

कपिल को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कपिल की मौत की खबर मिलते ही हरियाणा के जींद जिले में उसके गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।पिता ने कहा, ह्लहमने अपना सबकुछ बेचकर बेटे को अमेरिका भेजा था। सोचा था कि वहां जाकर वह हमारी जिंदगी बदल देगा, लेकिन वहां से उसकी लाश ही वापस आएगी।ह्वकपिल का मामला एक बार फिर अवैध प्रवासियों की खतरनाक स्थिति को उजागर करता है। हर साल पंजाब, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्यों से हजारों युवा ह्यअमेरिकन ड्रीमह्ण की तलाश में डंकी रूट चुनते हैं। इस रास्ते में लूट, धोखा, पुलिस की हिंसा और मौत का खतरा हर कदम पर बना रहता है। अब कपिल की मौत ने इन खतरों को और साफ कर दिया है।

'साजिश के तहत कांग्रेस के 30 प्रत्याशी हराए', अभय चौटाला का हुड्डा पर बड़ा आरोप

रोहतक : इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हुड्डा ने ईडी के डर से भाजपा के साथ समझौता कर लिया था, जिसकी वजह से हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी। अभय चौटाला का दावा है कि साजिश के तहत हुड्डा ने कांग्रेस के 30 प्रत्याशियों को जानबूझकर हरवाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता वीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र सिंह को हराने की साजिश खुद हुड्डा ने रची, क्योंकि उन्हें डर था कि राहुल गांधी से सीधे टिकट पाने के बाद बृजेंद्र उनकी जगह ले सकते हैं। अभय के अनुसार, बृजेंद्र को हराने के लिए उनके सामने तीन निर्दलीय उम्मीदवार उतारे गए। अभय चौटाला रोहतक में 25 सितंबर को होने वाली सम्मान रैली की तैयारियों के सिलसिले में पहुंचे थे। यह रैली चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि रैली में सुखबीर सिंह बादल समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे। हालांकि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी पर उन्होंने साफ जवाब देने से बचते हुए कहा कि इस पर पार्टी स्तर पर निर्णय लिया जाएगा। चौटाला ने दावा किया कि इनेलो छोड़ने वाले 95% कार्यकर्ता और नेता अब वापस पार्टी में शामिल हो चुके हैं। रोहतक में रैली आयोजित करने के पीछे उनकी रणनीति जाट वोट बैंक को साधने की मानी जा रही है।

किसको-कितनी राहत... हरियाणा में बाढ़ पीड़ितों को मिलेगी इतनी सहायता

हरियाणाः हरियाणा में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इसके कारण यमुना, घग्गर और अन्य नदियां उफान में है। नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण कई इलाके पानी में डूब गए हैं और खेतों में पानी भर गया है, जिसके कारण फसलें और घर पूरी तरह से खराब हो गए हैं। दूसरी ओर बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए सरकार की ओर से मुआवजा राशि की लिस्ट जारी की गई, जिसके तहत बाढ़ में मरने पर 4 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं, मैदानी क्षेत्रों में मकान को क्षति पहुंचने पर 1 लाख 20 हजार रुपये और पहाड़ी क्षेत्रों में मकान को क्षति पहुंचने पर 1,30,000 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, गांव में दुकान, संस्थान व उद्योग में हानि, फसल हानि सब्सिडी और पशुओं के मरने पर सहायता दी जाएगी। आइए जानते हैं किसको-कितनी राहत मिलेगी

खैर की लकड़ी से भरी पिकअप पकड़ी, लाखों रुपए की लकड़ी तस्करी कर लाई जा रही थी हरियाणा

यमुनानगर : हिमाचल-हरियाणा बॉर्डर से यमुनानगर वन विभाग की टीम ने खैर (लकड़ी) से लदी एक पिकअप को पकड़ा है। इसकी बाजार में कीमत लाखों रुपए से भी ज्यादा बताई जा रही है। वन विभाग की टीम को देखकर खैर तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग गया जिसके बाद हिमाचल वन विभाग के टीम को मौके पर बुलाया गया और पिकअप को उनको सौंप दी गई। छछरौली वन विभाग के रेंजर बलजीत सिंह ने बताया कि हिमाचल वन विभाग की तरफ से उनको सूचना मिली थी कि खैर कि एक खैर की लकड़ी से भरी पिकअप गाड़ी गांव पलहोड़ी की तरफ से हरियाणा में

प्रवेश करेगी। हिमाचल वन विभाग की सूचना के आधार पर हरियाणा-हिमाचल बॉर्डर पर पलहोडी गांव के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के कुछ देर बाद हिमाचल से एक पिकअप गाड़ी जो सामने वन विभाग की टीम को देखकर नगली गांव की तरफ चली गई।

खैर तस्कर गाड़ी छोड़कर फरार

बलजीत सिंह ने बताया कि छछरौली विभाग की टीम ने उसका पीछा किया। वन विभाग की टीम को पीछे आता देख खैर तस्कर नगली गांव में खैर से भरी पिकअप गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि यह मामला हिमाचल वन विभाग का था इसलिए पकड़ी गई पिकअप गाड़ी को लकड़ी समेत हिमाचल वन विभाग को सौंप दिया गया है। इसमें आगामी कार्रवाई हिमाचल वन विभाग कर रहा है।

हरियाणा में इन महिलाओं को मिलेगा अवार्ड, ईनाम में मिलेंगे लाखों रुपए

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने की घोषणा की है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से राज्य स्तरीय महिला पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक महिलाएं 26 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। इन पुरस्कारों का वितरण 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया जाएगा। विभाग के अनुसार, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत विजेता को 1.50 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के लिए 1 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र, जबकि बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के लिए भी 1 लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के तहत 51 हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। साथ ही, विभिन्न आठ श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को 21-21 हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इन पुरस्कारों से समाज में प्रेरणा का संदेश जाएगा और महिलाएं शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में और अधिक आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगी।

5 साल से अधूरी पड़ीं 13 आंगनबाड़ी बिल्डिंगें, अधिकारियों के सुस्त रवैए से 1.75 करोड़ का बजट लैप्स

कैथल : जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों निर्माण कार्य के और सुस्त रवैए के चलते कागजों में ही दफन होकर रह गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से बच्चों व महिलाओं के लिए संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों की इमारतें 5 साल से अधूरी पड़ीं हैं। हालात ऐसे हैं कि जिन इमारतों के लिए करोड़ों रुपए का बजट जारी हुआ था, उनमें से ज्यादातर अधर में लटकी पड़ी हैं। वहीं बजट की भारी राशि हर साल की तरह इस बार भी लैप्स हो गई। पिछले 5 सालों से अधूरी इमारतों पर न तो किसी ने ध्यान दिया और न ही बिजट का उपयोग किया गया। नतीजा यह हुआ कि इन भवनों में अब घास फूंस और झाड़ियां उग आई हैं। कई जगहों पर बिना देखरेख के दीवारें जर्जर होने लगी हैं, जिससे यह पूरी तरह खंडहर में तबदील हो रही हैं। बता दें कि इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जिले को आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण हेतु 2.3 करोड़ रुपए का बजट जारी हुआ था। इस राशि से 10 नई व 8 पुरानी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण होना था, लेकिन कुछ अधिकारियों की ढिलाई के कारण 31 मार्च को 1.75 करोड़ रुपए लैप्स हो गए। 5 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार से पुनः बजट वापस नहीं आया है, जिस कारण कुल 13 केंद्रों का काम फिलहाल अधर में लटका हुआ है, जबकि 5 का काम पूरा हो चुका है। इनमें से 3 का उद्घाटन पहले हो चुका है। इनके अलावा कम्प्लीट हो चुकी सीवन ब्लॉक के मांडी सदरा गुहला व के ब्लॉक के हंसू माजरा गांव आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्घाटन 17 सितम्बर को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा किया जाएगा।

ठेकेदारों का भुगतान न होने से ठप्प पड़े काम

विभाग की डिमांड पर जारी बजट से इस साल जिले में कुल 10 नई आंगनबाड़ी केंद्र बनाने की योजना थी, लेकिन अब तक केवल 5 15 ही बिल्डिंगें पूरी हो पाई हैं। जिला परिषद के अनुसार अब तक इन पर

सिर्फ 41 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। वहीं शेष आंगनबाड़ी भवनों का कार्य पेमैंट रुकने के कारण अधर में लटका हुआ है। जिन को टैंडर अलॉट किए गए थे, उनकी पिछले कई सालों से पेमैंट लंबित है। ठेकेदारोंइसी वजह से वे निर्माण कार्य पूरा नहीं कर रहे हैं। वहीं कुछेक नई आंगनबाड़ी केंद्रों का काम धीमी गति से चल रहा है। 1 मई को जिला परिषद द्वारा महानिदेशक पंचायत एवं विकास विभाग को पत्र लिखकर लैप्स हुई राशि को पुनः भेजने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक यह बजट वापस नहीं मिला है।

आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण हमारी प्राथमिकता : सी.ई.ओ.

जिला परिषद सी.ई.ओ. सुरेश रवीश ने कहा कि जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण हमारी प्राथमिकता में है। बजट समय पर न आने ठेकेदारों के भुगतान में देरी के कारण कुछ बिल्डिंगै अधूरी पड़ी है। जिला और परिषद ने 1 मई को महानिदेशक पंचायत एवं 5 पंचायत एवं विकास विभाग को पत्र भेजकर लैप्स हुई राशि को दोबारा जारी करने की मांग की है। जैसे ही बजट प्राप्त होगा, अधूरी पड़ी सभी बिल्डिंगों का कार्य से पूरा करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री जिन 2 आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्घाटन करेंगे, वे पूरी तरह तैयार हैं और वहां बच्चों व महिलाओं के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। तेजी जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की अधूरी पड़ी परियोजनाओं को लेकर आमजन भी सवाल उठाने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ओर से का बजट की ओर की से हर साल करोड़ों रुपए का बजट मिलीभगत से यह राशि समय पर उपयोग नहीं होती और लैप्स हो जाती है। नतीजा यह है कि गांवों में आंगनबाड़ी भवनों की बजाय जर्जर ढांचे खड़े दिखाई देते हैं।

सरकार और प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने होंगे, ताकि विकास की योजनाएं केवल कागजों में ही न रह जाएं।

ब्लॉक- गांव
कैथल- कुतबपुर
कैथल- भानपुरा
कैथल- बटा
गुहला- हरिगढ़
गुहला- मंझेड़ी
गुहला- कमहेड़ी
गुहला- खरल
पूंडरी- पाई

नई 10 आंगनबाड़ियों की ब्लॉक व गांव अनुसार प्रगति रिपोर्ट

ब्लॉक- गांव- कार्य
पूंडरी- कौल- (पैडिंग)
पूंडरी- जांबा- (कम्प्लीट)
कलायत- ढूंढवा- (पैडिंग)
कलायत- बाता- (कम्प्लीट)
कलायत- खेड़ी शेरखां- (कम्प्लीट)
कैथल- जसवंती- (पैडिंग)
कैथल- रसूलपुर- (पैडिंग)
गुहला- हसूमाजरा- (कम्प्लीट)
सीवन- मंडी सदरा- (कम्प्लीट)
गुहला- माजरी- (पैडिंग)

समय-समय पर भेजी जाती है नई बिल्डिंग बनाने की डिमांडः गुरजीत कौर महिला एवं बाल विकास विभाग की डी.पी. ओ. गुरजीत कौर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का प्रस्ताव भेजा गया था। अभी तक 5 आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह तैयार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री सीवन ब्लॉक के मांडी सदरा व गुहला के हंसू माजरा आंगनबाड़ी केंद्रों का 17 सितम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करेंगे। बाकी केंद्रों के निर्माण कार्य बजट की उपलब्धता और भुगतान की प्रक्रिया पूरी होते ही तेजी से पूरे करवाए जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए।

जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे।

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे।

आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है। केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

एशिया कप पर अय्यर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हकदार होने के बावजूद टीम से बाहर रहना निराशाजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह चूक निराशाजनक थी। अय्यर ने कहा कि वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अय्यर को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके बजाय वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भारत ए की अगुवाई करेंगे।अय्यर ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'यह तभी निराशाजनक होता है जब आपको पता होता है कि आप टीम में प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार हैं। उस समय यह निराशाजनक होता है। लेकिन साथ ही जब आपको पता होता है कि कोई टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है तो आप उसका समर्थन करते हैं। आखिरकार लक्ष्य टीम की जीत होती है और जब टीम जीत रही होती है, तो सभी खुश होते हैं।' हाल के वर्षों में अय्यर सभी प्रारूपों में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने के बाद उन्होंने 2025 में पंजाब किंग्स की ओर रुख किया और उन्हें फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि पंजाब किंग्स खिताब से चूक गई लेकिन अय्यर की कप्तानी की खासकर उनकी रणनीतिक सजगता और दबाव में धैर्य की व्यापक प्रशंसा हुई। अय्यर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित हैं। घरेलू सीजन और ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे के साथ इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के पास अपनी योग्यता साबित करने और सीनियर टीम में वापसी करने का एक और मौका है। अय्यर ने एक बल्लेबाज के रूप में काफी विकास किया है।

रवि शास्त्री नहीं चाहते ओपनिंग जोड़ी में बदलाव, कहा- 'सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा खतरनाक'

नई दिल्ली (एजेंसी)।पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री टी20 एशिया कप में सलामी जोड़ी में बदलाव नहीं चाहते। शास्त्री चाहते हैं कि टीम प्रबंधन अभिषेक शर्मा के सलामी जोड़ीदार के रूप में संजू सैमसन को ही बरकरार रखे। अगर शुभमन गिल प्लेइंग इलेवन में जगह बनाते हैं तो शास्त्री का मानना हैं कि गिल किसी और की जगह बल्लेबाजी करने आए।

शास्त्री ने मीडिया से बातचीत दौरान कहा, 'सैमसन शीर्ष तीन में सबसे खतरनाक हैं। यही पर वह आपको मैच जिताते हैं। उन्हें वहीं छोड़ देना चाहिए। सैमसन की जगह गिल को लाना इतना आसान नहीं होगा। सैमसन का टी20 में भारत के लिए शीर्ष क्रम में अच्छा रिकॉर्ड है। गिल के लिए भी उन्हें हटाना मुश्किल होगा। गिल किसी और की जगह आ सकते हैं। लेकिन सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अकेला छोड़ देना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'सैमसन को उसी तरह खेलना जारी रखना चाहिए जैसा उन्होंने टी20 में भारत के लिए खेला है। वह शीर्ष क्रम में लगातार बड़े रन और शतक बना रहे हैं।'

गौर है कि 30 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदोन्नत होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन किया है। अब तक उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में तीन शतक बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज के रूप में 17 मैचों में उन्होंने 31.76 की औसत और 178.76 के स्ट्राइक रेट से 520 रन बनाए। सैमसन ने हाल ही में हुई केरल क्रिकेट लीग 2025 में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए शानदार फॉर्म हासिल की। उन्होंने पांच पारियों में 73.60 की औसत और 186.80 के स्ट्राइक रेट से 368 रन बनाए। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

दुबई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और %यूनिवर्स बॉस% के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, %ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।%

गेल ने याद करते हुए कहा, %तो मुझे पता है कि हम

इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है। आपका मानसिक स्वास्थ्य पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने अनिल (अनिल कुंबले) को फोन किया। मैंने एक-एक करके चर्चा की और कहा कि सुनो मैं जा रहा हूं क्योंकि उसी समय मेरे पास विश्व कप भी था और हम एक बुलबुले में थे। इसलिए आप बाहर नहीं आ सकते थे इसलिए आपका मानसिक संतुलन बस जा रहा था। यह वास्तव में बहुत ही हैरान करने वाला था और आपको नष्ट कर रहा था। मैं अंदर से टूट गया था और मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी गेम के बाद मैं ऐसा था। मैं शांति पाने के बजाय खुद को और नुकसान पहुंचाने वाला हूं।'

गौर है कि गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन बनाए हैं जिनमें 22 शतक और 88 अर्धशतक शामिल हैं। उनके पूर्व साथी पोलार्ड (14,145 रन) और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (14,047 रन) भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं।

एशिया कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12–0 से हराया, नवनीत और मुमताज ने 3–3 गोल दागे

बीजिंग (ईएमएस)। नवनीत कौर और मुमताज खान के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने चीन में खेले जा रहे एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में सिंगापुर को 12–0 से हरा दिया। इसी के साथ ही पूल बी से भारतीय टीम का सुपर चार में पहुंचना तय हो गया है। भारत की और से नवनीत और मुमताज ने तीन–तीन गोल किये। मुमताज ने मैच के दूसरे ही मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद नवनीत ने मैच के 14वें, 18वें और 28वें मिनट में तीन गोल दाग दिये। वहीं मुमताज ने 32वें और 38वें मिनट में दो गोल और दाग दिये। वहीं लालरेम्सियामी ने 13वें, उदिता ने 29 वें जबकि शर्मिला देवी ने 45वें मिनट और ऋतुजा पिसल ने 52वें मिनट में गोल किये। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने पहले मैच में थाईलैंड को 11–0 से हराया था जबकि जापान से उसका दूसरा मैच 2–2 से बराबरी पर रहा था। मैच में पूरी तरह से भारतीय टीम हावी रही। सिंगापुर की टीम केवल चौथे क्वार्टर में ही कुछ हद तक मुकाबला कर पायी।

भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी : गावस्कर

-शुभमन के भी एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मनाना है कि भारतीय टीम एशिया कप में अपने मैच आसानी से जीत जाएगी। गावस्कर ने कहा, अगर भारतीय टीम अपने मैच आराम से नहीं जीत पाती है तो मुझे हैरानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का रहा है उससे वह अन्य टीमों से कहीं आगे हैं। भारतीय टीम को यहां पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका से भी टक्कर मिलेगी। इसके बाद भी पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से शानदार प्रदर्शन किया है। उससे वह एशिया कप में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। वहीं इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गावस्कर के अनुसार शुभमन में टी20 में भी अच्छी बल्लेबाजी करने की क्षमताएं हैं। वहीं इससे पहले कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने कहा था टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनको टी20 टीम में शामिल करना ठीक नहीं है। वहीं गावस्कर का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में किया था। उसके बाद से ही टी20 के लिए भी उनकी दावेदारी पक्की हो गयी थी। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की है जिसे देखते हुए किसी को भी उनकी क्षमताओं पर संदेह नहीं होना चाहिये। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। उन्होंने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए काफी रन बनाये हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की।

यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की।

अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

टेबल टेनिस : अंडर–15 डबल्स में अनन्या–दिव्यांशी को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 6 पदक

नई दिल्ली। भारत की अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ स्टार कटेंडर में अंडर–15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एक रोमांचक और कड़े फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़ीलिंग को 3–2 के स्कोर से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही, भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए। यह फाइनल मैच भारतीय जोड़ी के धैर्य और दृढ़ता का एक बेहतरीन उदाहरण था। शुरुआती गेम जीतने के बाद, चीनी जोड़ी ने जबरदस्त वापसी की। लेकिन, निर्णायक गेम में अनन्या और दिव्यांशी ने शांत रहते हुए खेला और कई मैच पॉइंट बचाए। उन्होंने अंतत: 11–8, 7–11, 11–8, 6–11, 14–12 के स्कोर से जीत हासिल की, जिससे भारत को सबसे बड़ा सम्मान मिला। इससे पहले सेमीफाइनल में, इस जोड़ी ने अपने ही देश की खिलाड़ियों, रियाना भूटा और अंकौलिका चक्रवर्ती को 3–1 (11–2, 10–12, 11–3, 11–6) के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रियाना और अंकौलिका ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। भारत की पदक तालिका को पी.बी. अभिनंद (अंडर–19) और ऋत्विक गुप्ता (अंडर–15) ने अपने–अपने सिंगल्स मुकाबलों में रजत पदक जीतकर और मजबूत किया। डबल्स मुकाबलों में भी भारत के लिए और मेडल आए। पी.बी. अभिनंद और सिंड्रेला दास ने अंडर–19 मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता, जबकि ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत ने अंडर–15 बॉयज़ डबल्स में भी कांस्य पदक हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने दक्षिण–पूर्वी यूरोप के देश उत्तरी मैसेडोनिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में एक सराहनीय प्रदर्शन किया और भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगाईं।

वर्कलोड मैनेजमेंट पर बोले शार्दुल ठाकुर, कोई यह नहीं पूछता हमारा शरीर कैसा महसूस करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर अपनी राय दी है। शार्दुल का मानना है कि खिलाड़ियों को हल्के में लिया जाता है। उन्हें शरीर को नियंत्रित रखने और उसे चोट से मुक्त रखने के लिए जरूरी लगातार ब्रेक नहीं मिलते।

हाल ही में वर्कलोड मैनेजमेंट एक तीखी बहस का हिस्सा रहा। कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह द्वारा इंग्लैंड के खिलाफ पांच में से तीन टेस्ट मैचों के लिए खुद को उपलब्ध रखने की आलोचना की। वही शार्दुल का मानना है कि वर्कलोड मैनेजमेंट किया जाना चाहिए।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के आखिरी दिन वेस्ट जोन के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और प्रबंधन उच्चतम स्तर का नहीं है। इतने महीनों तक खेलने के बाद कोई भी हमसे आकर यह नहीं पूछता कि हमारा शरीर कैसा महसूस कर रहा है। लेकिन हां मैं फिजियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ अपने शरीर का प्रबंधन कर रहा हूं और लगातार काम कर रहा हूं।'

गौर है कि चोट से वापसी के बाद शार्दुल रणजी ट्रॉफी 2024-25, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए उनके प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में खेला। इसके बाद वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का हिस्सा थे। दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में खेलने से पहले उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में दो टेस्ट मैच खेले।

दलीप ट्रॉफी : जगदीशन और पडिक्कल के जाने के बाद फाइनल में साउथ जोन में दो स्टार खिलाड़ी शामिल

आगामी दलीप ट्रॉफी फाइनल की तैयारी के लिए जगदीसन और पडिक्कल के भारत ए टीम में शामिल होने के बाद साउथ जोन की टीम ने दो होनहार बल्लेबाज कर्नाटक के रविचंद्रन स्मरण और तमिलनाडु के आंद्रे सिद्धार्थ को टीम में शामिल किया। दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबला में साउथ जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा। जो 11 सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर खेला जाएगा। एन जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज जगदीशन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 197 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम के 536 रनों के स्कोर में अहम योगदान दिया। इस प्रदर्शन की बदौलत साउथ जोन ने फाइनल में जगह बनाई। पडिक्कल ने भी दोनों पारियों में 57 और नाबाद 16 रन बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ए टीम के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों के लिए जगदीशन और पडिक्कल के चयन के बाद स्मरण और सिद्धार्थ को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला 19 सितंबर से शुरू होगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए साउथ जोन की टीम– मोहम्मद अज़हरुद्दीन (कप्तान और विकेटकीपर), रिकी भुई (उप–कप्तान), रविचंद्रन स्मरण, काले एम, शेख रशीद, तन्मय अग्रवाल, सलमान निज़ार, आंद्रे सिद्धार्थ, तनय त्यागराजन, गुरजापनीत सिंह, एमडी निधिश, वासुकी कौशिक, अंकित शर्मा, टी विजय, बासिल एनपी।

भारत ने चौथी बार जीता हॉकी एशिया कप, फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराया

राजगीर (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में खेले गए हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम चैंपियन रही है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने कोरिया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने विश्व कप हॉकी का टिकट भी कटा लिया है। भारतीय टीम के लिए दिलप्रीत सिंह ने दो जबकि सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में गोल कर दिया। हरमनप्रीत सिंह ने कोरियाई डिफेंडर को छकाते हुए सुखजीत को पास दिया। उन्होंने टॉप कॉर्नर को बैकहैंडर से टॉमहॉक मारा। उनके शॉट का कोरियाई गोलकीपर के पास जवाब नहीं था और गेंद गोल पोस्ट में समा गई। पहले क्वार्टर की समाप्ति पर भारतीय टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारत के लिए दिलप्रीत ने गोल दागा। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भारतीय टीम अटैक के साथ-साथ कोरियाई खिलाड़ियों को रोकने की रणनीति के तहत खेल रही थी। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले भारत ने तीसरा गोल दागा। गोल दिलप्रीत ने मारा था। भारत की बढ़त 3-0 की हो गई। चौथे क्वार्टर में भारत के लिए चौथा गोल अमित रोहिदास ने किया। चौथे क्वार्टर के अंत में कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल किया गया। समय समाप्ति की घोषणा के साथ ही भारतीय टीम कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ एशिया चैंपियन बन गई।

भारतीय हॉकी टीम 8 साल बाद एशिया कप चैंपियन बनी है। वहीं, चौथी बार हॉकी इंडिया ने इस खिताब पर कब्जा जमाया है। भारत ने सबसे पहले 2003 में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था, जब फाइनल में उन्होंने पाकिस्तान को 4-2 से हराया था। इसके बाद उन्होंने 2007 में चेन्नई में टूर्नामेंट जीता। भारत ने आखिरी बार 2017 में मनप्रीत सिंह की अगुवाई में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। पिछले संस्करण में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

'परम सुंदरी' ने वीकेंड पर लगाई छलांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म ने 9वें दिन छाप डाले इतने करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज हुए 9 दिन हो गए है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इसने वीकेंड पर भी करोड़ों रुपये का कलेक्शन किया है। जानिए इसने 6 सितंबर, शनिवार को इसने कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। पढ़ें ये रिपोर्ट।

'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 9

दिल्ली का लड़का परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और साउथ इंडियन लड़की सुंदरी (जान्हवी कपूर)। फिल्म का नाम 'परम सुंदरी'। तुषार जलोटा के डायरेक्शन में बनी ये मूवी 29 अगस्त 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये से खाता खोला और अब 9वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है, आइये जानते हैं। पहले बता दें कि 'परम सुंदरी' प्रोड्यूस किया है।

'परम सुंदरी' की कहानी

कहानी दिल्ली में रहने वाले एक लड़के की है, जो बिजनेस की दुनिया में नाम कमाना चाहता है, लेकिन सारे आइडिया फ्लॉप हो जाते हैं। फिर उसे एक ऐप के बारे में पता चलता है, जो आपको आपके सोलमेट से मिलवाती है। परम इस ऐप को ट्राई करने के लिए अपनी सोलमेट से मिलने जाता है, जो साउथ इंडिया में रहती है। जब दोनों के बीच कुछ-कुछ होने लगता है तो परम को पता चलता है कि वो ऐप और ऐप बनाने वाला दोनों फ्रॉड हैं। तो क्या वो अब सुंदरी को छोड़ देगा या फिर यही उसका सच्चा प्यार है, ये जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।

परिणीति के चेहरे पर नजर आया प्रेग्नेंसी ग्लो

बॉलीवुड अदाकारा परीणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी मां बनने के बाद अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में हैं। अपने फैंस के साथ उन्होंने जैसे ही इस खबर को बताया कि वो मां बनने वाली हैं तो सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। अब इस ऐलान के बाद वो पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में नजर आई हैं। एक कार्यक्रम में पहुंचीं परीणीति पारंपरिक काले अनारकली सूट में नजर आईं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो दिख रहा था। जैसे ही उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, फैन्स ने सोशल मीडिया पर जमकर प्यार लुटाया।

इंस्टाग्राम पोस्ट से किया ऐलान

बता दें अभिनेत्री और उनके पति राघव चड्ढा ने बीते 25 अगस्त को इंस्टाग्राम पर अपने नए सफर की घोषणा की थी। उन्होंने एक प्यारे कैप्शन के साथ बताया था कि उनकी छोटी सी खुशी आने वाली हैं। इसके बाद से ही प्रशंसकों, दोस्तों और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं भेजनी शुरू कर दीं।

परीणीति और राघव की प्रेम कहानी

यह रिश्ता भी कम दिलचस्प नहीं रहा। लंबे समय से एक-दूसरे को जानने के बावजूद उनकी नजदीकियां लंदन में हुए एक एलुमनाई इवेंट से बढ़नी शुरू हुईं। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और आखिरकार मई 2023 में दोनों ने दिल्ली में सगाई की। कुछ ही महीनों बाद, सितंबर में उदयपुर की झीलों के बीच उन्होंने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। शादी के बाद साझा की गई तस्वीरों में दोनों ने लिखा था कि हमारी पहली मुलाकात से ही दिलों ने कह दिया था कि यह सफर हमेशा का होगा।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जीतने के बाद भावुक हुई अनुपर्णा

महिलाओं को अवॉर्ड किया समर्पित

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म- च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।

इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्मः फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

अवॉर्ड जीतने के बाद क्या बोलीं अनुपर्णा रॉय?: इस खिताब को जीतने के बाद नम आंखों के साथ अनुपर्णा रॉय ने अवॉर्ड उन सभी महिलाओं को समर्पित किया जो अपने खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ या किसी भी मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठा पाती हैं। अनुपर्णा रॉय ने कहा, 'यह फिल्म उन हर महिलाओं को समर्पित है, जिनकी आवाज कभी दबा दी गई, जिन्हें नजरअंदाज किया गया या कम आंका गया। मेरी कामना है कि यह जीत और अधिक आवाजों और ज्यादा कहानियों और महिलाओं को सिनेमा ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में और अधिक ताकत देने की प्रेरणा बने।'

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्मः अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म- सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभारः इटली के वेनिस शहर में अवॉर्ड लेने मंच पर सफेद साड़ी में पहुंचीं अनुपर्णा रॉय ने देश के परिधान को भी सात समंदर पार खास तौर पर स्थान दिलाया। उन्होंने इस सम्मान को 'सपना सच होने जैसा लम्हा' बताया। उन्होंने जूरी, अपनी टीम, कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार व्यक्त किया।

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल 4 की शूटिंग

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावैगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है। ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों पर फिल्म निर्माता से बंदूक की नोक पर 10 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप

बॉलीवुड से जुड़े अंधेरी वेस्ट इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने आरोप लगाया है कि अभिनेत्री निकिता घाग और उसके सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपए जबरन ट्रांसफर करवाए। इस घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग 10 से अधिक लोगों के साथ उनके स्टूडियो, चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने किया ऐसा काम, यूजर्स ने की जमकर तारीफ

अक्षय कुमार को रविवार सुबह मुंबई के जुहू बीच पर कई लोगों के साथ देखा गया। वह गणपति विजर्सन कार्यक्रम के समापन के बाद यहां पहुंचे थे। जुहू बीच पर एक्टर ने ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी वाहा-वाही हो रही है। अक्षय कुमार सोशल मैसेज वाली फिल्मों के जरिए तो लोगों को अवेयर करते हैं। साथ ही वह समय-समय पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समाज और देश को लेकर निभाते हैं। हाल ही में गणपति विजर्सन समापन के बाद एक्टर ने जुहू बीच पर कुछ ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ होने लगी।

यूजर्स ने की खिलाड़ी कुमार की तारीफ

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के इस प्रयास की सराहना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय कुमार हमेशा अच्छा काम करते हैं।' अन्य यूजर ने अक्षय के लिए हार्ट और फायर इमोजी सोशल मीडिया पर साझा किए और एक्टर की पहल को सराहा है।

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश विसर्जन के बाद जुहू बीच पर फैले कचरे को साफ करते हुए दिखाई दिए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने इस क्लिन अप ड्राइव को होस्ट किया है। अक्षय कुमार के साथ वायरल वीडियो में वह भी सफाई करती हुई नजर आईं।

'अयोध्या रामलीला' में सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली मनिका विश्वकर्मा 'अयोध्या रामायण' में माता जानकी का रोल अदा करेंगी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से यह अवसर मिला है। 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा आगामी वार्षिक नाट्य समारोह 'अयोध्या रामलीला' में हिस्सा ले रही हैं। इस रामलीला में वे माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मालूम हो कि 'अयोध्या रामलीला' को दुनिया की सबसे बड़ी रामलीला माना जाता है। यह मौका मिलने पर मनिका बेहद खुश हैं और इसे श्रीराम की कृपा बता रही हैं।

मनिका ने फैंस से किया अनुरोध

अयोध्या की रामलीला के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें मनिका बोलती दिख रही हैं, 'जय श्रीराम, मैं अयोध्या की रामलीला में माता सीता का किरदार अदा करने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद, बजरंगबली के आशीर्वाद और अयोध्यावासियों के आशीर्वाद से यह किरदार अदा करूंगी।

' यूजर्स के निशाने पर आई साई पल्लवी, 'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है...

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी हाल ही में एक अवॉर्ड शो में नजर आईं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो किसी को 'रामायणम्' में माता सीता के लिए उनकी कास्टिंग पसंद नहीं आ रही है। उनके वीडियो पर सभी के मिले-जुले रिएक्शन आ रहे हैं। साई पल्लवी के वायरल वीडियो पर यूजर्स ने खूब रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'पुरानी रामायण बेस्ट है।' दूसरे ने कहा, 'मां सीता के लिए इससे बुरा कोई विकल्प नहीं हो सकता।' अन्य ने कहा, 'मां सीता के लिए बेजान चेहरा अच्छी पसंद नहीं है! कास्टिंग बहुत खराब है।' हालांकि, साई पल्लवी के फैंस उनके सपोर्ट में हैं। उनका कहना है कि वो बहुत प्यारी दिख रही हैं और 'रामायण' में मां सीता के रोल के लिए परफेक्ट हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।